News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

02 मार्च, 2022

Ph.D Public Viva – Voce Examination Through Video Conferencing

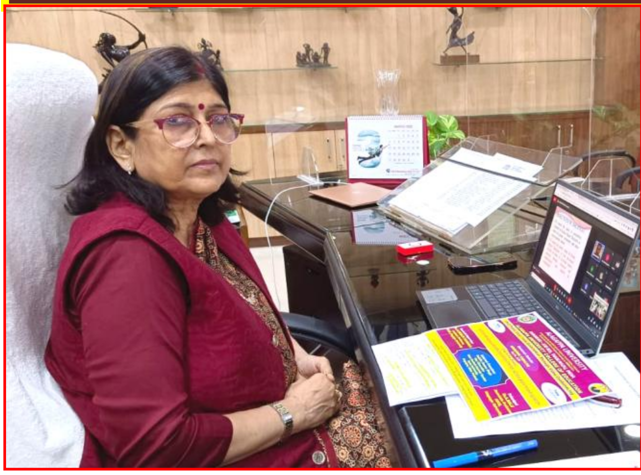

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

02 मार्च, 2022

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

University & College Vision , mission and strategy

हेतु कार्ययोजना (रोड मैप) तैयार करने के सम्बन्ध में

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक

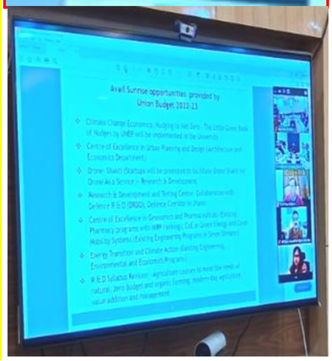

दिनांक 02 मार्च, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में University & College Vision , mission and strategy हेतु कार्ययोजना (रोड मैप) तैयार करने के सम्बन्ध में वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) पर्वाह्न 11:30 बजे आयोजित की गयी। उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी, विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक/प्रभारी निदेशक, प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव ने प्रतिभाग किया।

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा विश्वविद्यालय के निदेशक एवं अधिकारीगण।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
02 मार्च, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

ऑनलाइन प्रवेश प्रकिया का शुभारम्भ करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रवेश जनवरी 2022 के लिए परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

15 मार्च से होगी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं

130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7रू00 से 10रू00 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11रू00 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3रू00 बजे से सायं 6रू00 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।

इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 1:00 से 4:00 तक आयोजित की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्न पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 3 घंटा की रहेगी।

समय सारणी में जिन प्रश्न पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है उन प्रश्न पत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी ओएमआर आधारित प्रश्न पत्र की समयावधि 2 घंटा रहेगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा से संबंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो सत्र जून 2021 में कोविड–19 संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके, वे भी अपने कोविड–19 के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसंबर 2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऐसे शिक्षार्थियों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून 2021 में प्रतिभाग किए हैं और अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे सभी परीक्षार्थी जो इन दोनों व्यवस्थाओं के अंतर्गत आते हैं वह वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर समस्त सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में 7 मार्च 2022 तक अवश्य जमा कर दें। इसके पश्चात परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

श्री डी.पी. सिंह
परीक्षा नियंत्राक

अमर चेतना
(हिन्दी दैनिक) (प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, गुरुवार, 03 मार्च, 2022 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 15 मार्च से

130 परीक्षा केंद्रों पर साठ हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसम्बर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से प्रारम्भ हो रही हैं। जिसमें 60 हजार शिक्षार्थी प्रदेश के 130 केन्द्रों पर परीक्षा देंगे। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने देते हुए बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60 हजार शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे। कुलपति ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7 से 10 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3 बजे से सायं 6 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है। इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रातः 9 से 12 बजे तथा दोपहर 1 से 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्न पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 3 घंटा की रहेगी। उन्होंने बताया कि समयसारणी में जिन प्रश्न पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है, उन प्रश्नपत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। ओएमआर आधारित प्रश्न पत्र की समयावधि 2 घंटा रहेगी। परीक्षा से सम्बंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो जून 2021 में कोविड संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके, वे भी अपने कोविड के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसम्बर 2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं। कुलपति प्रो. सिंह ने ऐसे शिक्षार्थियों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून 2021 में प्रतिभाग किए हैं और अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे परीक्षार्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर समस्त सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में 7 मार्च 2022 तक अवश्य जमा कर दें। इसके पश्चात परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय सहारा
लखनऊ ● नई दिल्ली ● गोरखपुर ● पटना ● कानपुर ● देहरादून ● वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ
बृहस्पतिवार ● 3 मार्च ● 2022
पृष्ठ 14, मूल्य ₹ 4.00

राजर्षि टंडन मुक्त विवि की परीक्षाएं 15 से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि. प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से शुरू होने जा रही हैं।

विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी। प्रो. सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60 हजार शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर दो बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न तीन बजे से सायं छह बजे तक

ओएमआर आधारित प्रश्न पत्र की समयावधि 2 घंटा रहेगी

तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है। 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर एक से शाम चार तक आयोजित की जाएगी।

विवि की कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि परीक्षा सामान्य प्रश्न पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में होगी जिसकी अवधि तीन घंटा होगी। कुलपति ने बताया कि समय सारणी में जिन प्रश्न पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है उन प्रश्न पत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। परीक्षा से संबंधित विवरण विवि की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है।

कुलपति ने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो सत्र जून 2021 में कोविड-संक्रमण के कारण परीक्षा में शामिल नहीं हो सके, वह कोविड संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसंबर 2021 में शामिल हो सकते हैं। विवि ने ऐसे शिक्षार्थियों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून 2021 में प्रतिभाग किए हैं और घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विवि अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे सभी परीक्षार्थी जो इन दोनों व्यवस्थाओं में आते हैं वह वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर सभी सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में 7 मार्च तक जमा कर दें। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

मुक्त विवि में प्रमाण पत्र, डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। विवि के कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि : प्रमाण-पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

प्रदेश के 1300 अध्ययन केन्द्रों पर मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज-2 मार्च 2022। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण-पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ किया। अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झाँसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अन्तर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatftp@gmail.com
हरबात
फतेहपुर और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 11 अंक : 42 फतेहपुर, गुरुवार, 03 मार्च, 2022 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

15 मार्च से होगी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं

130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से प्रारंभ हो रही है। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न्जेलों मे बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7:00 से 10:00 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह 3:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं सनतकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।

इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक सनतक एवं परासनतक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 1:00 से 4:00 तक आयोजित की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रशन पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 3 घंटा की रहेगी।समय सारणी में जिन प्रशन पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है उन प्रशन पत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी ओएमआर आधारित प्रशन पत्र की समयावधि 2 घंटा रहेगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा से संबंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो सत्र जून 2021 में कोविड-19 संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके, वे भी अपने कोविड-19 के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसंबर 2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऐसे शिक्षाथिन्यों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून 2021 में प्रतिभाग किए है और अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते है। ऐसे सभी परीक्षार्थी जो इन दोनों व्यवस्थाओं के अंतर्गत आते हैं वह वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर समस्त सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में 7 मार्च 2022 तक अवश्य जमा कर दें। इसके पश्चात परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षाथिन्यों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
www.dailylokmitra.com

15 मार्च से होगी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं

130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी।प्रोफेसर सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7:00 से 10:00 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 1:00 से 4:00 तक आयोजित की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्न पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 3 घंटा की रहेगी।समय सारणी में इजन प्रश्न पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है उन प्रश्न पत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी ओएमआर आधारित प्रश्न पत्र की समयावधि 2 घंटा रहेगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा से संबंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो सत्र जून 2021 में कोविड-19 संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके, वे भी अपने कोविड-19 के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसंबर 2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऐसे शिक्षार्थियों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून 2021 में प्रतिभाग किए हैं और अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं है। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे सभी परीक्षार्थी जो इन दोनों व्यवस्थाओं के अंतर्गत आते हैं वह वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर समस्त सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में 7 मार्च 2022 तक अवश्य जमा कर दें। इसके पश्चात परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

---

www.sahajsatta.in facebook.com/sahajsatta.allahabad twitter.com/sahajsattaalla1
सहजसत्ता
वर्ष 14 अंक 256 पृष्ठ-8 प्रयागराज गुरुवार, 3 मार्च, 2022 मूल्य 1.00 रुपये मात्र
सत्य की सत्ता को समर्पित
आज़ादी का अमृत महोत्सव

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 15 मार्च से

130 परीक्षा केंद्रों पर साठ हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

प्रयागराज(नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसम्बर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से प्रारम्भ हो रही है। जिसमें 60 हजार शिक्षार्थी प्रदेश के 130 केन्द्रों पर परीक्षा देंगे।

उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने देते हुए बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60 हजार शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे। कुलपति ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7 से 10 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह 3 बजे से सायं 6 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं सनतकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक सनतक एवं परासनतक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रातः 9 से 12 बजे तथा दोपहर 1 से 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रशन पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 3 घंटा की रहेगी।उन्होंने बताया कि समयसारणी में जिन प्रशन-पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है, उन प्रशनपत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। ओएमआर आधारित प्रशन पत्र की समयावधि 2 घंटा रहेगी। परीक्षा से सम्बंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो जून 2021 में कोविड संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके, वे भी अपने कोविड के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसम्बर 2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं। कुलपति प्रो. सिंह ने ऐसे शिक्षाथिन्यों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून 2021 में प्रतिभाग किए है और अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नही है। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे परीक्षार्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर समस्त सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में 7 मार्च 2022 तक अवश्य जमा कर दें। इसके पश्चात परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षाथिन्यों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

मुक्त विविः प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

प्रदेश के 1300 अध्ययन केंद्रों पर मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश

प्रयागराज(नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परासनतक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारम्भ हो गई है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ बुधवार को किया।

अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में सनतक एवं परासनतक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं १५ मार्च से

130 परीक्षा केंद्रों पर साठ हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

प्रयागराज, ०२ मार्च। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसम्बर २०२१ की परीक्षाएं १५ मार्च से प्रारम्भ हो रही हैं। जिसमें ६० हजार शिक्षार्थी प्रदेश के १३० केन्द्रों पर परीक्षा देंगे।

उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने देते हुए बताया कि परीक्षाएं २५ अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं ३० दिन में संचालित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग १३० परीक्षा केंद्रों पर ६० हजार शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।

कुलपति ने बताया कि १५ मार्च से २३ मार्च तक तीन पालियों में प्रातः ७ से १० बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न ११ बजे से दोपहर २ बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न ३ बजे से सायं ६ बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।

इसके पश्चात २४ मार्च से २५ अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रातः ९ से १२ बजे तथा दोपहर १ से ४ बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्न पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि ३ घंटा की रहेगी।

उन्होंने बताया कि समयसारणी में जिन प्रश्न पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है, उन प्रश्नपत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। ओएमआर आधारित प्रश्न पत्र की समयावधि २ घंटा रहेगी। परीक्षा से सम्बंधित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो जून २०२१ में कोविड संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके, वे भी अपने कोविड के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसम्बर २०२१ में प्रतिभाग कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. सिंह ने ऐसे शिक्षार्थियों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून २०२१ में प्रतिभाग किए हैं और अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे परीक्षार्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर समस्त सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में ७ मार्च २०२२ तक अवश्य जमा कर दें। इसके पश्चात परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत

मुक्त विविः प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

प्रदेश के 1300 अध्ययन केंद्रों पर मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश

प्रयागराज, ०२ मार्च। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश पत्र जनवरी २०२२ के लिए परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारम्भ हो गई है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ बुधवार को किया। अब प्रदेश के १२ क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले १३०० अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी २०२२ में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

आरएनआई पंजी सं0 - UPHIN/2014/60049

अमर चेतना

वर्ष- 08, अंक- 183 (हिन्दी दैनिक) (प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, गुरुवार, 03 मार्च, 2022 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com पृष्ठ-6, मूल्य- 3.00 रुपया

मुक्त विविः प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

प्रदेश के 1300 अध्ययन केंद्रों पर मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारम्भ हो गई है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ बुधवार को किया। अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार

वर्ष : 12 अंक : 303, प्रयागराज, गुरुवार 03 मार्च 2022, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

15 मार्च से होंगी राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएँ

130 परीक्षा केन्द्रों पर साठ हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसम्बर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से प्रारम्भ हो रही हैं। जिसमें 60 हजार शिक्षार्थी प्रदेश के 130 केन्द्रों पर परीक्षा देंगे।

उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने देते हुए बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60 हजार शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।

कुलपति ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7 से 10 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3 बजे से सायं 6 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।

इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रातः 9 से 12 बजे तथा दोपहर 1 से 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्न पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 3 घंटा की रहेगी। उन्होंने बताया कि समयसारणी में जिन प्रश्न पत्रों के सम्मुख ओएमआर आधारित अंकित है, उन प्रश्नपत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। ओएमआर आधारित प्रश्न पत्र की समयावधि 2 घंटा रहेगी। परीक्षा से सम्बन्धित विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिक्षार्थी जो जून 2021 में कोविड संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके, वे भी अपने कोविड के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसम्बर 2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. सिंह ने ऐसे शिक्षार्थियों को भी राहत दी है जो परीक्षा सत्र जून 2021 में प्रतिभाग किए हैं और अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे शिक्षार्थी आगामी परीक्षा में बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार अपने अंको में सुधार करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे परीक्षार्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर समस्त सूचनाएं पूरित करते हुए परीक्षा विभाग में 7 मार्च 2022 तक अवश्य जमा कर दें। इसके पश्चात परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए जाएंगे।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष –07– अंक– 45, प्रयागराज गुरूवार 03 मार्च, 2022, पृष्ठ –8 मूल्य रू0 1.00 email: dainikkarmath@gmail.com

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज के प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परास्नातक डिप्लोमाए डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराजए लखनऊए बरेलीए आगराए मेरठए नोएडाए झांसीए कानपुरए अयोध्याए आजमगढ़ए

वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्रए डिप्लोमाए पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंहए डॉ दिनेश सिंहए डॉक्टर सतीश चंद्र जैसलए डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज, गुरुवार, 3 मार्च, 2022

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रयागराज,वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, एवं गोरखपुर से प्रकाशित

राजर्षि टण्डन में प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

कुलपति ने आन लाइन प्रवेश प्रक्रिया का किया शुभारम्भ

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परास्नातक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

Voice Of Allahabad NEWS

प्रयागराज वर्ष : 08 अंक: 103 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया गुरुवार 03 मार्च 2022

हिन्दी दैनिक

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

R.N.I No. UPHIN/2014/59094

खबर वही जो सच हो

Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुक्त विविः प्रमाण पत्र व डिप्लोमा में प्रवेश शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश पत्र जनवरी 2022 के लिए परासनतक डिप्लोमा, डिप्लोमा प्रमाण पत्र एक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से प्रारम्भ हो गई है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ बुधवार को किया। अब प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, वाराणसी तथा गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी अपने मनपसंद कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते है।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सत्र जनवरी 2022 में सनतक एवं परासनतक कार्यक्रमों को छोड़कर शेष प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ जीपी यादव, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉक्टर सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज, गुरुवार, 3 मार्च, 2022

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रयागराज,वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, एवं गोरखपुर से प्रकाशित

15 मार्च से होंगी यूपीआरटीओयू की परीक्षाएं

परीक्षा

कारागार में कैद कैदी जेल मे ही देगें परीक्षा

130 परीक्षा केंद्रों पर 60 हजार स्टूडेंट 3 पालियों में देंगे परीक्षा

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की दिसंबर-2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से शुरू हो रही हैं। ये परीक्षाएं 25 अप्रैल तक चलेंगी। प्रदेश के 130 परीक्षा केंद्रों पर 60 हजार परीक्षार्थी एग्जाम देंगे। परीक्षा को नकलविहीन कराने के लिए कुलपति ने कई फ्लाइंग स्क्वायड का गठन किया है।कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में

बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।15 मार्च से 25 अप्रैल तक तीन पालियों में परीक्षा होगी।

15 मार्च से 25 अप्रैल तक तीन पालियों में परीक्षा होगी।

15 मार्च से 25 अप्रैल तक तीन पालियों में परीक्षा होगी। पहली पाली सुबह 7 से 10 बजे तक, दूसरी पाली का समय 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक और तीसरी पाली अपराह्न 3 से शाम 6 बजे तक चलेगी। तीसरी पाली में प्रमाण-पत्र डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा होगी।

24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक और परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली का समय 9 से 12 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 1 से 4 बजे तक रहेगा। कुलपति ने बताया कि इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्न पत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी, जिसका समय 3 घंटे होगा।

समय सारणी में जिन प्रश्न पत्रों के सामने ओएमआर आधारित अंकित है, उनकी परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। ओएमआर आधारित प्रश्न पत्र का समय 2 घंटा रहेगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा से संबंधित विवरण यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर अपडेट कर दिया गया है।

कोविड से छूटे स्टूडेंट भी दे सकते हैं परीक्षा

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि ऐसे स्टूडेंट, जो सत्र जून 2021 में कोविड-19 संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नही हो सके, वे भी अपने कोविड-19 के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा दे सकते हैं।

7 मार्च के बाद डाउनलोड कर सकेंगे एडमिट कार्ड

ऐसे स्टूडेंट को भी राहत दी गई है, जिन्होंने परीक्षा सत्र जून-2021 में हिस्सा लिया है, लेकिन अपने घोषित परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे स्टूडेंट बैक परीक्षार्थी के रूप में निर्धारित शुल्क का जमाकर बैठ सकते हैं। ऐसे सभी स्टूडेंट जो इन दोनों व्यवस्थाओं के अंतर्गत आते हैं, वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफार्मा पर सभी सूचनाएं भरकर परीक्षा विभाग में 7 मार्च तक जमा कर दें। इसके बाद परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के एडमिट कार्ड अपलोड कर दिए जाएंगे।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
03 मार्च, 2022

200 प्रतिभागियों को बांटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत **प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

मॉ सरस्वती जी का पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी. एस. शुक्ल एवं कुलसचिव प्रो0 पी. पी. दुबे

व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी. एस. शुक्ल जी रहे तथा समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। योग विशेषज्ञ श्री अमित कुमार सिंह ने इस अवसर पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर 21 दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रदेशभर से आए 200 प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 पी. पी. दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी. के. पाण्डये, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, प्रो0 रुचि बाजपेई, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

समारोह का संचालन करती हुई डॉ दीप्ति श्रीवास्तव

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई छात्रायें एवं कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पौधा भेंट कर उनका सम्मान करते हुए निदेशक प्रो० जी. एस. शुक्ल एवं छात्र

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें

निदेशक प्रो० जी. एस. शुक्ल को पौधा भेंट कर उनका सम्मान करते हुए योग के छात्र

हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए : प्रो0 शुक्ल

प्रो0 जी. एस. शुक्ल

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी. एस. शुक्ल ने प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष में महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से अभ्यास करना होगा। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग करना चाहिए। सत्संग जहां बुद्धि की जड़ता को समाप्त करता है, वहीं पाप से भी दूर रखता है तथा चित्त को प्रसन्न रखता है। संपूर्णत्व पाने के लिए मानवीय संवेदना का संचार आवश्यक है।

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें

श्री अमित कुमार सिंह

प्रतिभागियों को योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण देते हुएयोग विशेषज्ञ श्री अमित कुमार सिंह ।

प्रतिभागियों को बांटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी के साथ 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र प्राप्तकर्ता

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी के साथ सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र प्राप्तकर्ता

अनुशासित जीवन पद्धति का विकास योग से–कुलपति

समारोह की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है।

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

मा0 कुलपति जी ने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी।

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

अपने विचार साझा करते हुए योग उत्सव के प्रतिभागीगण

कार्यक्रम की अन्य झलकियां

मुक्त चिन्तन
News Letter
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

03 मार्च, 2022

University & College Vision , mission and strategy हेतु कार्ययोजना (रोड मैप) तैयार करने के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

दिनांक 03 मार्च, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में University & College Vision , mission and strategy हेतु कार्ययोजना (रोड मैप) तैयार करने के सम्बन्ध में वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) अपराह्न 04:00 बजे आयोजित की गयी। उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी, विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक/प्रभारी निदेशक, प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव ने प्रतिभाग किया।

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा विश्वविद्यालय के निदेशक एवं अधिकारीगण।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

UNITED BHARAT ESTABLISHED 1991 संस्थापक स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी

प्रयागराज, शुक्रवार 04 मार्च 2022- मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास: कुलपति

सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के 200 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित

प्रयागराज, ०३ मार्च। मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा २१ दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विवि हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने २१ दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी.एस शुक्ल ने कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से अभ्यास करना होगा। उन्होंने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग करना चाहिए। सत्संग जहां बुद्धि की जड़ता को समाप्त करता है, वहीं पाप से भी दूर रखता है तथा चित्त को प्रसन्न रखता है। संपूर्णत्व पाने के लिए मानवीय संवेदना का संचार आवश्यक है।

योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया। २१ दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में कुलपति ने प्रदेश भर से आए २०० प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो पी.पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पी.के पांडेय, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. रुचि बाजपेई, प्रो. विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 12 अंक : 334, प्रयागराज, शुक्रवार 04 मार्च 2022, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया — सच का आधार

योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका अग्रणी : कुलपति

कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने दो सौ प्रतिभागियों को बाँटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण-पत्र

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। नियमित तौर पर योग करने से मन और शरीर दोनों ही स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीव में योग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह बातें गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने मुविवि के सरस्वती परिसर में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठि तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह और प्रतिभागियों को बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक और 75 करोड़ सूर्य नमस्कार परियोजना के निदेशक प्रो जी एस शुक्ल ने कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से भी अभ्यास करना होगा।

इंदुभूषण पांडेय को प्रमाण पत्र देतीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह

प्रो शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग भी करना चाहिए।यूपीआरटीओयू में योग विषय के परामर्शदाता और प्रख्यात योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने इस मौके पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण भी दिया। साथ ही उन्होंने मंत्रोच्चार का वाचन के साथ गुरु पूजन किया। इससे पूर्व उन्होंने प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास भी कराया। उन्होंने बताया कि 21 दिनों तक कुलपति समेत दो सौ लोगों ने सूर्य नमस्कार किया। आयुष मंत्रालय की ओर से 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। कुलपति का स्वागत शंख की ध्वनि और तुलसी का पौधा देकर किया गया। 21 दिनों तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के करीब 200 प्रतिभागियों को कुलपति प्रो सीमा सिंह ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन गृह विज्ञान की सहायक आचार्य डा दीप्ति श्रीवास्तव एवम धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रो ओम जी गुप्ता प्रो पी के पांडेय प्रो सत्यपाल तिवारी प्रो रुचि बाजपेई प्रो विनोद कुमार गुप्ता डा अभिषेक सिंह डा गिरीश कुमार द्विवेदी डा प्रभात चंद्र मिश्र इंदुभूषण पांडेय अनुराग शुक्ला प्रमोद द्विवेदी आदित्य जैन आदि उपस्थित रहे।

पत्रकारिता के लिए समर्पित आवाज का... दैनिक समाचारपत्र — Title Verified By RNI

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com

अनुशासित जीवन पद्धति का विकास योग से-कुलपति

200 प्रतिभागियों को बांटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र

(अनुराग शुक्ला) प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष में महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से अभ्यास करना होगा। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग करना चाहिए। सत्संग जहां बुद्धि की जड़ता को समाप्त करता है, वहीं पाप से भी दूर रखता है तथा चित्त को प्रसन्न रखता है। संपूर्णत्व पाने के लिए मानवीय संवेदना का संचार आवश्यक है। योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने इस अवसर पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर 21 दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रदेशभर से आए 200 प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष —07— अंक— 46, प्रयागराज शुक्रवार 04 मार्च, 2022, पृष्ठ —8 मूल्य रू0 1.00 विक्रम संवत 2078 प्रात संस्करण email: dainikkarmath@gmail.com

योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका अग्रणी– कुलपति

कुलपति प्रो सीमा सिंह ने दो सौ प्रतिभागियों को बांटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र

कर्मठ समाचार/प्रयागराज। नियमित तौर पर योग करने से मन और शरीर दोनों ही स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीव में योग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह बातें गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने मुविवि के सरस्वती परिसर में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह और प्रतिभागियों को बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक और 75 करोड सूर्य नमस्कार परियोजना के निदेशक प्रो जी एस शुक्ल ने कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से भी अभ्यास करना होगा। प्रो शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम

सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग भी करना चाहिए।यूपीआरटीओयू में योग विषय के परामर्शदाता और प्रख्यात योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने इस मौके पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण भी दिया। साथ ही उन्होंने मंत्रोच्चार का वाचन के साथ गुरु पूजन किया। इससे पूर्व उन्होंने प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास भी कराया। उन्होंने बताया कि 21 दिनों तक कुलपति समेत दो सौ लोगों ने सूर्य नमस्कार किया। आयुष मंत्रालय की ओर से 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। कुलपति का स्वागत शंख की ध्वनि और तुलसी का पौधा देकर किया गया। 21 दिनों तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के करीब 200 प्रतिभागियों को कुलपति प्रो सीमा सिंह ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन गृह विज्ञान की सहायक आचार्य डा दीप्ति श्रीवास्तव एवम धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रो ओम जी गुप्ता प्रो पी के पांडेय प्रो सत्यपाल तिवारी प्रो रुचि बाजपेई प्रो विनोद कुमार गुप्ता डा अभिषेक सिंह डा गिरीश कुमार द्विवेदी डा प्रभात चंद मिश्र इंदुभूषण पांडेय अनुराग शुक्ला प्रमोद द्विवेदी आदित्य जैन आदि उपस्थित रहे।

- वर्ष : 15
- अंक : 28
- प्रातः कालीन संस्करण
- लखनऊ
- शुक्रवार, 04 मार्च 2022
- पृष्ठ : 12
- मूल्य : 3 रुपए

www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

योग से अनुशासित जीवन पद्धति का होता है विकास: कुलपति

दो सौ प्रतिभागियों को मिला आयुष मंत्रालय का योग महोत्सव प्रमाण-पत्र

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष में महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से अभ्यास करना होगा। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग करना चाहिए। सत्संग जहां बुद्धि की जड़ता को समाप्त करता है, वहीं पाप से भी दूर रखता है तथा चित्त को प्रसन्न रखता है। संपूर्णत्व पाने के लिए मानवीय संवेदना का संचार आवश्यक है। योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने इस अवसर पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर 21 दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रदेशभर से आए दो सौ प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

Vol. 14 Issue 237 Daily pages – 8 Rs. 1.00 Morning Edition Prayagraj
PRAYAGRAJ FRIDAY, 4 MARCH 2022 WEBSITE : www.jeevanexpress.in
JEEVAN EXPRESS

A disciplined lifestyle develops only through Yoga: VC UPRTOU

Certificates of Surya Namaskar Yoga Festival distributed to 200 participants

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Under the aegis of Health Sciences Vidya Branch of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, a national seminar under the Azadi Ka Amrit Mahotsav and the certificate distribution ceremony of the 21-day Surya Namaskar Yoga Festival was organized on Thursday. The theme of the national seminar was the importance of ancient yogic way of life in

the present context. Presiding over the function, Vice Chancellor Prof Seema Singh said that yoga keeps both the mind and body healthy. A disciplined lifestyle develops only through yoga. Professor Singh said that the Open University has always been in the forefront in the field of Yoga.

On this occasion, Director of the School of Health Sciences Prof. GS Shukla while giving a lecture on the importance of ancient yogic way of life in the present context, said that all of us should include yoga in our daily routine. Along with yoga, we should attend the 'Satsanga'. While satsang ends the ignorance of the intellect, it also keeps away from sin and keeps the mind happy. Yoga expert Amit Kumar Singh gave training in various forms of yoga practice on this occasion.

On this occasion the participants of the 21-day long Surya Namaskar Yoga Utsav shared their views. In the certificate distribution ceremony, Vice Chancellor Professor Seema Singh gave certificates issued by the Ministry of AYUSH, Government of India to 200 participants from across the state. The function was anchored by Dr. Deepti Srivastava and the vote of thanks was proposed by the Registrar, Prof PP Dubey. Prof Omji Gupta, Prof PK Pandey, Prof Satyapal Tiwari, Prof Ruchi Bajpai, Prof Vinod Kumar Gupta etc. were present on the occasion.

facebook.com/purvanchalswar purvanchalswar.com 8400976542, 9415860883 मूल्य: रू. 2 संपादक- राहुल

दैनिक पूर्वांचल स्वर
purvanchalswardainik@gmail.com शुक्रवार, 04 मार्च, 2022 वर्ष: 10 अंक: 61 पृष्ठ: 08 बलिया से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अनुशासित जीवन पद्धति का विकास योग से-कुलपति

हनुमान प्रसाद शुक्ल
मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष में महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से अभ्यास करना होगा। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग करना चाहिए। सत्संग जहां बुद्धि की जड़ता को समाप्त करता है, वहीं पाप से भी दूर रखता है तथा चित्त को प्रसन्न रखता है। संपूर्णत्व पाने के लिए मानवीय संवेदना का संचार आवश्यक है। योग विशेषज्ञ श्री अमित कुमार सिंह ने इस अवसर पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर 21 दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रदेशभर से आए 200 प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण
■ लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ
शुक्रवार ● 4 मार्च ● 2022
पृष्ठ 14, मूल्य ₹ 4.00

अनुशासित जीवन पद्धति का विकास योग से : कुलपति

200 प्रतिभागियों को बांटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र

प्रयागराज (एसएनबी)। योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति सीमा सिंह ने स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषयक संगोष्ठी में कहीं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. जीएस शुक्ल ने कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से अभ्यास करना होगा। प्रो. शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने इस अवसर पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया।

इस अवसर पर 21 दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने प्रदेशभर से आए 200 प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस दौरान प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पीके पांडे, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. रुचि बाजपेई, प्रो. विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. दीप्तिश्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे ने दिया।

प्रयाग प्रभात
आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, शुक्रवार, 04 मार्च, 2022 पृष्ठ : 4

अनुशासित जीवन पद्धति का विकास योग से:कुलपति

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज प्रयागराज राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के स्वास्थ्य विज्ञान

विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष में महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से अभ्यास करना होगा। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग करना चाहिए। सत्संग जहां बुद्धि की जड़ता को समाप्त करता है, वहीं पाप से भी दूर रखता है तथा चित्त को प्रसन्न रखता है। संपूर्णत्व पाने के लिए मानवीय संवेदना का संचार आवश्यक है। योग विशेषज्ञ श्री अमित कुमार सिंह ने इस अवसर पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर 21 दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रदेशभर से आए 200 प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp
हरबात
फतेहपुर और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
अंक : 43 फतेहपुर, शुक्रवार, 04 मार्च, 2022, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1

अनुशासित जीवन पद्धति का विकास योग से-कुलपति

200 प्रतिभागियों को बांटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग से मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहते है। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीवन कौशल बनाए रखने मे योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र मे मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका मे रहा है। उन्होने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष मे महत्व विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नही मन से अभ्यास करना होगा। प्रोफेसर शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज हमने उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है। कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या मे शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग करना चाहिए। सत्संग जहां बुद्धि की जड़ता को समाप्त करता है, वही पाप से भी दूर रखता है तथा चित्त को प्रसनन्‍ रखता है। संपूर्णत्व पाने के लिए मानवीय संवेदना का संचार आवश्यक है। योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने इस अवसर पर योगाभ्यास की विभिनन विधाओं का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर 21 दिन तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। प्रमाण पत्र वितरण समारोह मे कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रदेशभर से आए 200 प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया। समारोह का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सत्र परीक्षा 15 मार्च से प्रारम्भ

उद्योग हकीकत, झांसी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में सत्र जनवरी-2021-22 की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम को छोड़कर समस्त पीजी डिप्लोमा प्रमाण पत्र एवं जागरूकता रोजगार परक कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 02/03/2022 बुधवार से प्रारम्भ हो गयी। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी ने बताया कि नवीन सत्र में प्रवेश प्रारम्भ हुये रोजगारपरक कार्यक्रम पीजी योगा, पीजीडीटी, पीजीडीजेएमसी पीजीडीई, पीजीडीडीएन, डिप्लोमा इन योगा, डीसीडीएन, डिप्लोमा इन फोटोग्राफी, डिप्लोमा इन उर्दू, सीसीवाई, सीआरजेएमसी, सीजीएसटी एपीसीओ-19 सीएए आदि कार्यक्रमों में अभ्यर्थी प्रवेश इच्छुक हो विश्वविद्यालय की वेबसाइड ूनचतजवनण्बणपद से ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ ही साथ डा0 त्रिपाठी ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र परीक्षा दिसम्बर - 2021 की परीक्षायें 15 मार्च 2022 से प्रारम्भ हो रही हैं। समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर अपलोड कर दी गयी है। इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्नपत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 03 घण्टे रहेगी। जिन प्रश्नों के सम्मुख ओएमआर पर आधारित है। उन प्रश्नों पत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी ओएमआर पर प्रश्नपत्र की समयावधि 02 घण्टे रहेगी। ऐसे शिक्षार्थी जो सत्र जून - 2021 में कोविड-19 संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं सके वे अपने कोविड-19 संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसम्बर -2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं।

2 | राजधानी
अंतिम चरण में पार्टियों ने झोंकी ताकत

6 | अभिमत
पुरानी पेंशन योजना और सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा

10 | विदेश
एक सप्ताह में दस लाख लोगों ने किया यूक्रेन से पलायन

11 | विविध
घर का लंबा रास्ता

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 134
लखनऊ, शुक्रवार, 4 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

सोचा नहीं था कि सौ टेस्ट खेलूंगा: विराट
स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका अग्रणी: कुलपति

- कुलपति प्रो सीमा सिंह ने दो सौ प्रतिभागियों को बांटे सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र
- सरस्वती परिसर में प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

इंदुभूषण पांडेय को प्रमाण पत्र देतीं कुलपति प्रो सीमा सिंह साथ में कुलसचिव प्रो पी पी दुबे और प्रो जी एस शुक्ला।

प्रयागराज। नियमित तौर पर योग करने से मन और शरीर दोनों ही स्वस्थ्य रहते हैं। योग से ही अनुशासित जीवन पद्धति का विकास होता है। जीव में योग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह बातें गुरुवार को उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने मुविवि के सरस्वती परिसर में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन यौगिक जीवन पद्धति का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि योग के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने 21 दिवसीय सूर्य नमस्कार योग महोत्सव की सफलता के लिए योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह और प्रतिभागियों को बधाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक और 75 करोड़ सूर्य नमस्कार परियोजना के निदेशक प्रो जी एस शुक्ल ने कहा कि योग पुरातन एवं सनातन है। आधुनिक जीवन शैली से निजात पाने के लिए प्रकृति के समीप आना होगा। इसके लिए शारीरिक ही नहीं मन से भी अभ्यास करना होगा। प्रो शुक्ल ने कहा कि जीवन की दैनिक प्रक्रिया को प्रकृति के अनुकूल करना पड़ेगा। आज उत्पादकता बढ़ाने के लिए रात दिन का अंतर खत्म कर दिया है।

कृतिम प्रकाश हमारा विनाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग के साथ ही हमें सत्संग भी करना चाहिए। यूपीआरटीओयू में योग विषय के परामर्शदाता और प्रख्यात योग विशेषज्ञ अमित कुमार सिंह ने इस मौके पर योगाभ्यास की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण भी दिया। साथ ही उन्होंने मंत्रोच्चार का वाचन के साथ गुरु पूजन किया। इससे पूर्व उन्होंने प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास भी कराया। 21 दिनों तक कुलपति समेत दो सौ लोगों ने सूर्य नमस्कार किया। आयुष मंत्रालय की ओर से 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। कुलपति का स्वागत शंख की ध्वनि और तुलसी का पौधा देकर किया गया। 21 दिनों तक चले सूर्य नमस्कार योग उत्सव के करीब 200 प्रतिभागियों को कुलपति प्रो सीमा सिंह ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में सत्र जनवरी-2021-22 की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम को छोड़कर समस्त पी0जी0 डिप्लोमा प्रमाण पत्र एवं जागरूकता रोजगार परक कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया दिनांक 02/03/2022 बुधवार से प्रारम्भ हो गयी। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी ने बताया कि नवीन सत्र में प्रवेश प्रारम्भ हुये रोजगारपरक कार्यक्रम पी0जी0योगा, पी0जी0डी0टी0, पी0जी0डी0जे0एम0सी0 पी0जी0डी0ई0, पी0जी0डी0डी0एन0, डिप्लोंमा इन योगा, डी0सी0डी0एन0, डिप्लोमा इन फोटोग्राफी, डिप्लोमा इन उर्दू, सी0सी0वाई0, सी0आर0जे0एम0सी0, सी0जी0एस0टी0 ए0पी0सी0ओ0-19 सी0ए0ए0 आदि कार्यक्रमों में अभ्यर्थी प्रवेश इच्छुक हो विश्वविद्यालय की वेबसाइड एनचतजवनण्बण्पद से ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र परीक्षा दिसम्बर-2021 की परीक्षायें 15 मार्च 2022 से प्रारम्भ हो रही हैं। समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर अपलोड कर दी गयी है। इस बार परीक्षा सामान्य प्रश्नपत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित होगी जिसकी समयावधि 3 घण्टे रहेगी। जिन प्रश्नों के सम्मुख परीक्षा ओ0एम0आर0 पर आधारित है, उन प्रश्नों पत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। ओ0एम0 आर0 पर प्रश्नपत्र की समयावधि 02 घण्टे रहेगी। ऐसे शिक्षार्थी जो सत्र जून-2021 में कोविड-19 संक्रमण के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं सके वे अपने कोविड-19 संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसम्बर-2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 15 से

कार्यक्रम जारी

- जल्द ही जारी होगी परीक्षा केंद्रों की सूची
- प्रदेशभर के 60 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षाएं

जासं, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी हो गया है। ये परीक्षाएं 15 मार्च से 25 अप्रैल तक होंगी। इसके लिए लखनऊ सहित प्रदेशभर में 60 हजार परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षाओं के लिए करीब 130 केंद्र बनाने की तैयारी है। जल्द ही इसकी सूची जारी की जाएगी। परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर अपलोड कर दिया गया है। विद्यार्थी प्रवेश पत्र सात मार्च के बाद डाउनलोड कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक नीरांजलि सिन्हा ने बताया कि प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षाएं 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में होंगी। पहली पाली सुबह सात से 10 बजे तक, दोपहर 11 बजे से दोपहर दो बजे तक दूसरी पाली तथा तीन बजे से शाम छह बजे तक तीसरी पाली में होंगी।

इन्हें भी दिया मौका

ऐसे विद्यार्थी जो सत्र जून 2021 में कोविड-19 संक्रमण की वजह से परीक्षा नहीं दे पाए थे, वे भी अपने कोविड-19 के संक्रमण प्रमाण पत्र के साथ बिना बैक शुल्क दिए परीक्षा सत्र दिसंबर 2021 में प्रतिभाग कर सकते हैं।

इनकी परीक्षाएं दो पालियों में होंगी : 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में होंगी। पहली पाली सुबह 9 से 12 बजे तक तथा दूसरी पाली का समय दोपहर एक से शाम चार बजे तक रहेगा।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में डिप्लोमा कोर्स में दाखिले शुरू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, प्रमाणपत्र में जनवरी-2022 के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in के माध्यम से आनलाइन आवेदन फार्म भर सकते हैं। अभी इसकी अंतिम तिथि तय नहीं की गई है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत 13 अध्ययन केंद्र संचालित हैं। क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक नीरांजलि सिन्हा ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया जनवरी में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड संक्रमण की वजह से विलंब हुआ। अब स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों को छोड़कर डिप्लोमा आदि में आनलाइन माध्यम से प्रवेश के लिए फार्म भरने शुरू हो गए हैं। 27 पीजी डिप्लोमा, 20 डिप्लोमा, 28 प्रमाण पत्र कोर्स और 14 जागरूकता कार्यक्रम में प्रवेश लिए जा सकते हैं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

04 मार्च, 2022

University & College Vision , mission and strategy

हेतु कार्ययोजना (रोड मैप) तैयार करने के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा विश्वविद्यालय के निदेशक एवं अधिकारीगण।

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा विश्वविद्यालय के निदेशक एवं अधिकारीगण।

दिनांक 04 मार्च, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में University & College Vision , mission and strategy हेतु कार्ययोजना (रोड मैप) तैयार करने के सम्बन्ध में वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) पूर्वाह्न 11:30 बजे आयोजित की गयी। उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी, विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक/प्रभारी निदेशक, प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव ने प्रतिभाग किया तथा विश्वविद्यालय द्वारा पीपीटी के माध्यम से Vision , mission एवं भविष्य की कार्ययोजना (रोड मैप) के बारे में विस्तार से प्रस्तुत किया गया।

JEEVAN EXPRESS

Lecture on the role of women in inclusive social development to held in UPRTOU, today

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A lecture on the role of women in inclusive social development will be organized on the occasion of International Women's Day at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj on Tuesday. This lecture will be held in the Lokmanya Tilak debate Auditorium located in the Saraswati campus under the joint aegis of the University's Humanities Education Branch and the Center for Women's Studies. Giving information, Registrar Prof. PP Dubey said that Dr. Rama Singh, Principal of Arya Kanya Degree College will be the key note speaker in the program. The program will be presided over by the Vice Chancellor of the Open University, Prof. Seema Singh. The coordinator of the program, Prof. Satyapal Tiwari, Director, Humanities Education Branch, Co-convener Prof. Ruchi Bajpai, Coordinator, Women's Studies Center and Organizing Secretary Dr. Atul Kumar Mishra have been entrusted with the responsibility of organizing the event.

प्रयाग प्रभात

वर्ष : 11 अंक : 279 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, मंगलवार, 08 मार्च, 2022 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज डा.प्रभात चंद्र मिश्र मीडिया प्रभात उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार 8 मार्च को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह,प्राचार्य,आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक,मानविकी विद्या शाखा,सह संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई, समन्वयक,महिला अध्ययन केंद्र एवं आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राष्ट्रीय सहारा

समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मंगलवार को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र की ओर से पूर्वान्ह 11.30 बजे सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान होगा।मुख्य वक्ता आर्य कन्या डिग्री कालेज की प्राचार्या डा.रमा सिंह है जबकि अध्यक्षता मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह करेंगी। जानकारी विवि के मीडिया प्रभारी डा. प्रभात मिश्र ने दी है।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुविवि में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान आज

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार 8 मार्च को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, प्रयागराज होंगी तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी।

कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, सह संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, मंगलवार 08 मार्च 2022

महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान आज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार 8 मार्च को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय होंगी तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, सह संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तिजारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुविवि में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार 8 मार्च को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह साढ़े ग्यारह बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, प्रयागराज होंगी तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह करेंगी। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफ़ेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, सह संयोजक प्रोफ़ेसर रुचि बाजपेई, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

मुविवि : समाज में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, प्रयागराज होंगी तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी।

दैनिक पूर्वांचल स्वर

मुविवि में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान आज

मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार 8 मार्च को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, प्रयागराज होंगी तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, सह संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सदमार्ग साक्षी

मुविविः समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान आज

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को मानविकी विद्या शाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 11:30 बजे समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रोफेसर पी.पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्या, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय प्रयागराज होंगी तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, सह संयोजक प्रो. रुचि बाजपेई, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्रा को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
08 मार्च, 2022

मुविवि में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च, 2022 को मानविकी विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी, प्राचार्य, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, प्रयागराज रही तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं डॉ रमा सिंह ने विश्वविद्यालय में तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्र तथा अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिला अध्ययन केंद्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

व्याख्यानमाला का संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर पीपी दुबे, प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी एवं प्रो0 रुचि बाजपेयी जी।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ० स्मिता अग्रवाल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

स्वागत

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 अब्दुल रहमान तथा डॉ0 शिवेन्द्र सिंह

प्रो0 सतपाल तिवारी एवं
प्रो0 रुचि बाजपेयी को पुष्पगुच्छ भेंट कर
उनका स्वागत करते हुए
डॉ0 अतुल मिश्रा
तथा डॉ0 अनिल कुमार यादव

महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सुरक्षा व्यवस्था में कार्य कर रही अरूना सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

महिला अध्ययन केंद्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करती हुई महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक– 08 मार्च 2022 दिन – मंगलवार 'समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका'

मुख्य वक्ता– प्रो0 रमा सिंह
प्राचार्या, आर्य कन्या गर्ल्स पी. जी. कालेज, प्रयागराज

आयोजक– मानविकी विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन केन्द्र, उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अध्यक्षता– प्रो0 सीमा सिंह
मा. कुलपति, उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक– प्रो. सत्यपाल तिवारी
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा

सह-संयोजक– प्रो. रुचि बाजपेई
आचार्य हिन्दी एवं समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र

आयोजन सचिव– डॉ. अतुल कुमार मिश्र
सहायक आचार्य, दर्शनशास्त्र

उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महिला सुरक्षा गार्ड सम्मानित

श्रीमती अरूना सिंह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं डॉ रमा सिंह ने विश्वविद्यालय में तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

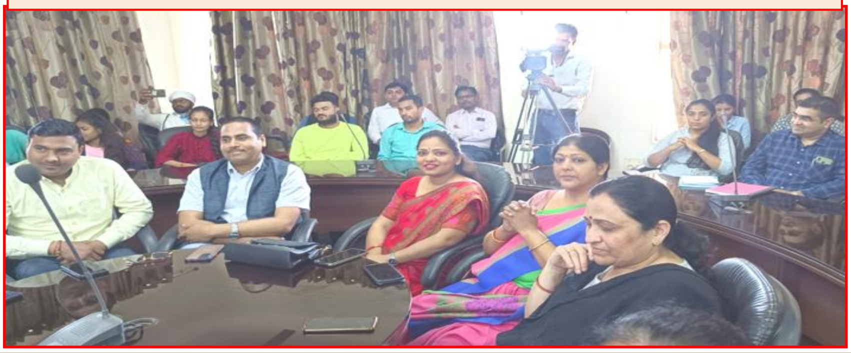

महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनको सम्मानित करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी

व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन करते हुए सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्र

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन– डॉ0 रमा सिंह

डॉ0 रमा सिंह

समारोह की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में कहा कि महिलाएं शिक्षित होंगी तभी समावेशी सामाजिक विकास की अवधारणा फलीभूत होगी। समाज में महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी है। सोच बदलने से ही सामाजिक परिवर्तन होगा। डॉ सिंह ने कहा कि आज कई क्षेत्रों में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी का हक हासिल कर रही हैं लेकिन अभी भी हमें 100 प्रतिशत बराबरी का लक्ष्य प्राप्त करना है।

डॉ सिंह ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर यह चिंतन होना चाहिए कि हम परिवार में ही बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा अवश्य दें, जिससे महिलाओं के प्रति भेदभाव न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि बिना सामंजस्य के समाज नहीं चलता। पति पत्नी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए एक दूसरे का सम्मान आवश्यक है।

मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि शक्ति तो हमेशा महिलाओं के साथ रही। सामाजिक चित्रण को निरूपित करते हुए उन्होंने कहा कि युगों युगों से यह षडयंत्र चला कि नारियों को कैसे कमजोर किया जाए, परंतु वीरांगनाओं ने जब सख्ती दिखाई तो पुरुष समाज नमन करने को तैयार हुआ। इसीलिए इस धरा पर देवियों की पूजा होती है।

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें– प्रोफेसर सीमा सिंह

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि समाज में लैंगिक समानता महिलाओं का सम्मान करने से ही आएगी। इसके लिए महिलाओं को स्वतः आगे आना पड़ेगा। शिक्षा से ही महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। बालिकाओं की शिक्षा में कोई रुकावट आ रही हो तो उसे दूर करना चाहिए समाज में कई समस्याएं हैं कई चुनौतियां हैं हम सभी को मिलकर उनका मुकाबला करना है। महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच तथा सम्मान का भाव प्रदर्शित करें। महिलाओं की छिपी हुई क्षमताओं को समाज के सामने लाना होगा।

अतिथि सम्मान

मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो0 सतपाल तिवारी एवं प्रो0 रूचि बाजपेयी

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता

राष्ट्रगान

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

08 मार्च, 2022

घरेलू हिंसा : समाज और मीडिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 08 मार्च 2022 को भाष्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी एवं पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा घरेलू हिंसा : समाज और मीडिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी गांधी सभागार बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी में आयोजित की गई। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की मुख्य वक्ता उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ० साधना श्रीवास्तव रहीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ० मुन्ना तिवारी, निदेशक, पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी रहे तथा मुख्य अतिथि डॉ० कंचन जायसवाल, सदस्य उ०प्र० राज्य महिला आयोग रहीं। इस अवसर पर संगोष्ठी की रूपरेखा डॉ० उमेश कुमार संयोजक राष्ट्रीय संगोष्ठी द्वारा प्रस्तुत की गयी कार्यक्रम का संचालन डॉ० अनुपम व्यास, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना ने की तथा आभार डॉ० श्वेता पाण्डेय आयोजन सचिव राष्ट्रीय संगोष्ठी ने किया।

डॉ० साधना श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए संगोष्ठी के सदस्यगण

राष्ट्रीय संगोष्ठी की मुख्य वक्ता डॉ० साधना श्रीवास्तव ने कहा कि समाज में हो रही हिंसा में हमें सर्वप्रथम हिंसा, घरेलू हिंसा एवं महिला हिंसा को समझना होगा। समाज में हो रही असमानता के लिए हमें बचपन से ही पारिवारिक संस्कार अपने बेटों एवं बेटियों में ऐसे डालना है कि वे एक दूसरे को सम्मान दें एवं किसी भी प्रकार की हिंसा न करें। विभिन्न प्रकार के मीडिया एवं उनके कार्यक्रमों के संदर्भ में और जागरूक कराने के लिए गीत संगीत एवं अपने वक्तव्य के माध्यम से यह समझाया कि महिलाओं के घरेलू हिंसा को समाप्त करने के लिए कानून एवं प्रशासन के साथ–साथ समाज एवं परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। एक विकसित समाज में पुरूष एवं महिलाओं दोनों को एक दूसरे को सम्मान देने की आवश्यकता है कानून के साथ साथ सामाजिक समरसता और एक दूसरे के भावनाओं को सम्मान देने एवं समझने की आवश्कता है।

प्रयागराज, बुधवार, 9 मार्च, 2022
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें : प्रो. सीमा

महिला दिवस

उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महिला सुरक्षा गार्ड सम्मान

महिला सुरक्षा गार्ड को सम्मान किया गया

जनसंदेश न्यूज

फाफामऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को मानविकी विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

समारोह की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में कहा कि महिलाएं शिक्षित होंगी तभी समावेशी सामाजिक विकास की अवधारणा फलीभूत होगी। समाज में महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी है। सोच बदलने से ही सामाजिक परिवर्तन होगा। डॉ सिंह ने कहा कि आज कई क्षेत्रों में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी का हक हासिल कर रही हैं लेकिन अभी भी हमें 100% बराबरी का लक्ष्य प्राप्त करना है।

डॉ सिंह ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर यह चिंतन होना चाहिए कि हम परिवार में ही बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा अवश्य दें, जिससे महिलाओं के प्रति भेदभाव न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि बिना सामंजस्य के समाज नहीं चलता। पति पत्नी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए एक दूसरे का सम्मान आवश्यक है।

मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि शक्ति तो हमेशा महिलाओं के साथ रही। सामाजिक चित्रण को निरूपित करते हुए उन्होंने कहा कि युगों युगों से यह षडयंत्र चला कि नारियों को कैसे कमजोर किया जाए, परंतु वीरांगनाओं ने जब सख्ती दिखाई तो पुरुष समाज नमन करने को तैयार हुआ। इसीलिए इस धरा पर देवियों की पूजा होती है।

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि समाज में लैंगिक समानता महिलाओं का सम्मान करने से ही आएगी। इसके लिए महिलाओं को खुद आगे आना पड़ेगा। शिक्षा से ही महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। बालिकाओं की शिक्षा में कोई रुकावट आ रही हो तो उसे दूर करना चाहिए समाज में कई समस्याएं हैं कई चुनौतियां हैं हम सभी को मिलकर उनका मुकाबला करना है। महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच तथा सम्मान का भाव प्रदर्शित करें। महिलाओं की छिपी हुई क्षमताओं को समाज के सामने लाना होगा।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं डॉ रमा सिंह ने विश्वविद्यालय में तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्र तथा अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया।

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिला अध्ययन केंद्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।व्याख्यानमाला का संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर पीपी दुबे, प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

● वर्ष : 15
● अंक : 33
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● बुधवार, 09 मार्च 2022
● पृष्ठ : 12
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें: कुलपति प्रो.सीमा सिंह

तिजारत संवाददाता

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन: डॉ. रमा सिंह

महिला दिवस पर महिला सुरक्षा कर्मी हुई सम्मानित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को मानविकी विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में कहा कि महिलाएं शिक्षित होंगी तभी समावेशी सामाजिक विकास की अवधारणा फलीभूत होगी। समाज में महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी है। सोच बदलने से ही सामाजिक परिवर्तन होगा। डॉ सिंह ने कहा कि आज कई क्षेत्रों में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी का हक हासिल कर रही हैं लेकिन अभी भी हमें 100% बराबरी का लक्ष्य प्राप्त करना है।

डॉ सिंह ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर यह चिंतन होना चाहिए कि हम परिवार में ही बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा अवश्य दें, जिससे महिलाओं के प्रति भेदभाव न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि बिना सामंजस्य के समाज नहीं चलता। पति पत्नी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए एक दूसरे का सम्मान आवश्यक है। मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि शक्ति तो हमेशा महिलाओं के साथ रही। सामाजिक चित्रण को निरूपित करते हुए उन्होंने कहा कि युगों युगों से यह षडयंत्र चला कि नारियों को कैसे कमजोर ...

वर्ष : 28 | अंक : 127
प्रयागराज | बुधवार , 9 मार्च 2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक
लोकमित्र
सच्चाई की जंग
प्रयागराज, लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रतापगढ़ से एक साथ प्रकाशित
www.dailylokmitra.com

लोकमित्र — प्रयागराज समाचार

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन: डॉ रमा सिंह

उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महिला सुरक्षा गार्ड सम्मानित

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुविवि में व्याख्यान

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें: प्रोफेसर सीमा सिंह

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बुधवार 09 मार्च 2022

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन: डा. रमा सिंह

Vol. 14
Issue 242
Daily
pages - 8
Rs. 1.00
Morning
Edition
Prayagraj
PRAYAGRAJ WEDNESDAY, 9 MARCH 2022
WEBSITE : www.jeevanexpress.in
JEEVAN EXPRESS

Female guard honored in UPRTOU

PRAYAGRAJ: On the occasion of International Women's Day in Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, a lecture was organized on the subject of the role of women in inclusive social development under the joint aegis of the Humanities School and the Center for Women's Studies on Tuesday. The keynote speaker of the function, Dr. Rama Singh, Principal, Arya Kanya Degree College, said in his lecture that the concept of inclusive social development will flourish only when women are educated. There is a need to change the mental attitude towards women in the society. Dr Singh said that on the occasion of Women's Day, it should be thought that we must teach moral values to the children in the family itself, so that discrimination against women should not arise. She said that society does not run without harmony.

Presiding over the lecture series Vice Chancellor Professor Seema Singh said that gender equality in the society will come only by respecting women. For this women themselves have to come forward. Empowerment of women can be done only through education. On the occasion of International Women's Day, Vice Chancellor Professor Seema Singh and Dr. Rama Singh honored the female security guard posted in the university Mrs. Varuna Singh, for her remarkable services. The theme of the lecture series was Enforcement Secretary Dr. Atul Kumar Mishra and the guests were welcomed by the convener Professor Satya Pal Tiwari. The lecture series was conducted by Dr. Smita Agarwal, vote of thanks by Professor Vinod Kumar Gupta. On this occasion, the coordinator of the Center for Women's Studies, Professor Ruchi Bajpai, Registrar Professor PP Dubey, Professor Omji Gupta, Professor Ashutosh Gupta, Professor PK Pandey, Professor S Kumar, Professor Chhatrasal Singh etc. were present.

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार
वर्ष : 12 अंक : 339, प्रयागराज, बुधवार 09 मार्च 2022, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन : डॉ रमा सिंह

लैंगिक समानता के लिए करें महिलाओं का सम्मान : कुलपति

इलाहाबाद एक्सप्रेस

purvanchalswar.com 8400976542, 9415860883 मूल्य: रू. 2 संपादक- राहुल
दैनिक
पूर्वांचल स्वर
03 बलिया, उत्तर प्रदेश, बुधवार, 09 मार्च 2022 प्रयागराज

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन- डॉ रमा सिंह

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन: डॉ रमा सिंह

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें: कुलपति

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज,बुधवार, 09 मार्च 2022

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें- प्रोफेसर सीमा सिंह

हर बात

प्रयागराज

प्रयागराज, बुधवार 9 मार्च 2022

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन- डॉ रमा सिंह

उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महिला सुरक्षा गार्ड सम्मानित

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें- प्रो सीमा सिंह

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को मानविकी विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।समारोह की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में कहा कि महिलाएं शिक्षित होंगी तभी समावेशी सामाजिक विकास की अवधारणा फलीभूत होगी। समाज में महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी है। सोच बदलने से ही सामाजिक परिवर्तन होगा। डॉ सिंह ने कहा कि आज कई क्षेत्रों में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी का हक हासिल कर रही है लेकिन अभी भी हमें 100इ बराबरी का लक्ष्य प्राप्त करना है।

डॉ सिंह ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर यह चिंतन

होना चाहिए कि हम परिवार में ही बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा अवश्य दें, जिससे महिलाओं के प्रति भेदभाव न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि बिना सामंजस्य के समाज नही चलता। पति पतनि दोनों एक दूसरे के पूरक है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए एक दूसरे का सम्मान आवश्यक है।मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि शक्ति तो हमेशा महिलाओं के साथ रही। सामाजिक चित्रण को निरूपित करते हुए उन्होंने कहा कि युगों युगों से यह षडयंत्र चला कि नारियों को कैसे कमजोर किया जाए, परंतु वीरांगनाओं ने जब सख्ती दिखाई तो पुरुष समाज नमन करने को तैयार हुआ। इसीलिए इस धरा पर देवियों की पूजा होती है।अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि समाज में लैंगिक समानता महिलाओं का सम्मान करने से ही आएगी। इसके लिए महिलाओं को खुद आगे आना पड़ेगा। शिक्षा से ही महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। बालिकाओं की शिक्षा में कोई रुकावट आ रही हो तो उसे दूर करना चाहिए समाज में कई समस्याएं है कई चुनौतियां है हम सभी को मिलकर उनका मुकाबला करना है। महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच तथा सम्मान का भाव प्रदर्शित करें। महिलाओं की छिपी हुई क्षमताओं को समाज के सामने लाना होगा।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं डॉ रमा सिंह नेविश्वविद्यालय मे तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्र तथा अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिला अध्ययन केंद्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।व्याख्यानमाला का संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर पीपी दुबे, प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

---

www.amitmail.in

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अमित मेल

Email : Office@amitmail.in

सत्य घटनाओं का आईना

वर्ष-10 अंक - 250 प्रतापगढ़ बुधवार 09 मार्च 2022 पंजीयन सं०: UPHIN/2012/49093

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन : डॉ रमा सिंह

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें : कुलपति

प्रयागराज (अ.मे. संवाददाता)।। महिलाएं शिक्षित होंगी तभी समावेशी सामाजिक विकास की अवधारणा फलीभूत होगी। समाज में महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी है। सोच बदलने से ही सामाजिक परिवर्तन होगा।

यह बातें मुख्य अतिथि आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रमा सिंह ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि आज कई क्षेत्रों में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी का हक हासिल कर रही हैं। लेकिन अभी भी हमें 100 प्रतिशत बराबरी का लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर यह चिंतन होना चाहिए कि हम परिवार में ही बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा अवश्य दें, जिससे महिलाओं के प्रति भेदभाव न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि बिना सामंजस्य के समाज नहीं चलता। पति-पत्नी एक दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए एक दूसरे का सम्मान आवश्यक है।

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि समाज में लैंगिक समानता महिलाओं का सम्मान करने से ही आएगी। इसके लिए महिलाओं को खुद आगे आना पड़ेगा। शिक्षा से ही महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। बालिकाओं की शिक्षा में कोई रुकावट आ रही हो तो उसे दूर करना चाहिए। समाज में कई समस्याएं हैं, कई चुनौतियां है, हम सभी को मिलकर उनका मुकाबला करना है। महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच तथा सम्मान का भाव प्रदर्शित करें। महिलाओं की छिपी हुई क्षमताओं को समाज के सामने लाना होगा।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

प्रयागराज वर्ष 31, अंक 177 बुधवार 09 मार्च, 2022 पृष्ठ 12 ₹4.00

www.swatantrachetnanews.com गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी-डॉ० सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को मानविकी विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य वक्ता डॉ० रमा सिंह प्राचार्य आर्य कन्या डिग्री कॉलेज रही। इस अवसर पर अपने व्याख्यान में कहा कि महिलाएं शिक्षित होंगी तभी समावेशी सामाजिक विकास की अवधारणा फलीभूत होगी। समाज में महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी है। सोच बदलने से ही सामाजिक परिवर्तन होगा। डॉ० सिंह ने कहा कि आज कई क्षेत्रों में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी का हक हासिल कर रही है लेकिन अभी भी हमें 100% बराबरी का लक्ष्य प्राप्त करना है।

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि समाज में लैंगिक समानता महिलाओं का सम्मान करने से ही आएगी। इसके लिए महिलाओं को खुद आगे आना पड़ेगा। शिक्षा से ही महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। बालिकाओं की शिक्षा में कोई रुकावट आ रही हो तो उसे दूर करना चाहिए। समाज में कई समस्याएं हैं कई चुनौतियां है हम सभी को मिलकर उनका मुकाबला करना है। महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच तथा सम्मान का भाव प्रदर्शित करें। महिलाओं की छिपी हुई क्षमताओं को समाज के सामने लाना होगा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं डॉ० रमा सिंह ने विश्वविद्यालय में तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया। व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन सचिव डॉ० अतुल कुमार मिश्र तथा अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिला अध्ययन केंद्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। व्याख्यानमाला का संचालन डॉ० स्मिता अग्रवाल धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर पीपी दुबे, प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज , बुधवार 9 मार्च, 2022

नगर संस्करण

मूल्य ₹ 7.00

पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

गेहूं निर्यात नए रिकार्ड की ओर 13

कच्चे तेल की महंगाई से प्रभावित होगी अर्थव्यवस्था : सीतारमण 13

सबला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

28 चतुर्थ श्रेणी रेलवे महिला कर्मचारियों का उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की ओर से रेलवे अधिकारी क्लब सूबेदारगंज में किया गया सम्मान।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महिला सुरक्षा गार्ड वरुणा सिंह को सम्मानित करतीं कुलपति प्रो . सीमा सिंह और आर्य कन्या डिग्री कालेज की प्राचार्या डा . रमा सिंह ●साभार : मीडिया सेल

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का करें सम्मान : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मानविकी विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन केंद्र की तरफ से समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहाकि समाज में लैंगिक समानता महिलाओं का सम्मान करने से ही आएगी। इस मौके पर महिला सुरक्षा गार्ड वरुणा सिंह को सम्मानित किया गया। इस दौरान डा. रमा सिंह, डा. अतुल मिश्र, प्रो. सत्यपाल तिवारी आदि मौजूद रहे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
09 मार्च, 2022

Virtual Labs
के स्थापना के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक

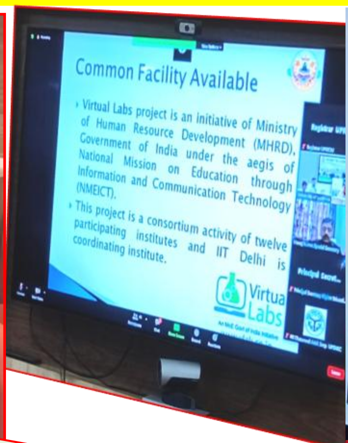

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करते हुए निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा / कुलसचिव, प्रो0 पी0पी0 दुबे एवं निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा/ सहायक निदेशक, सीका, प्रो0 आशुतोष गुप्ता

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय फैकेल्टी मेम्बर

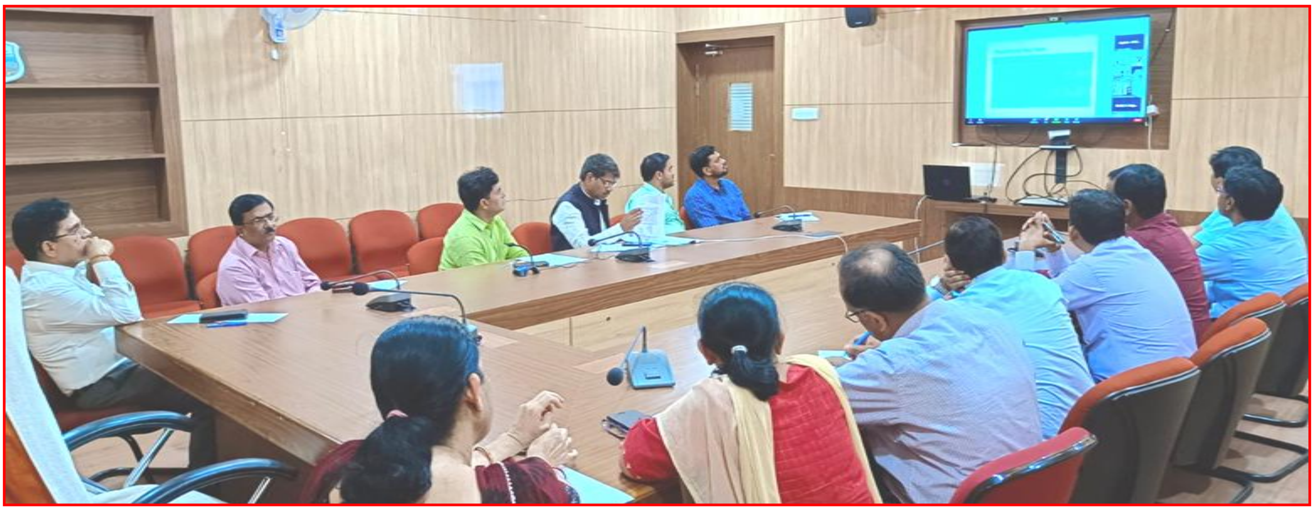

दिनांक 09 मार्च, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में Virtual Labs की स्थापना के सम्बन्ध में वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) पूर्वाह्न 11:45 बजे आयोजित की गयी। उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक/कुलसचिव, प्रो0 पी0पी0 दुबे एवं विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक/सहायक निदेशक, सीका, प्रो0 आशुतोष गुप्ता एवं फैकेल्टी मेम्बर ने प्रतिभाग किया।

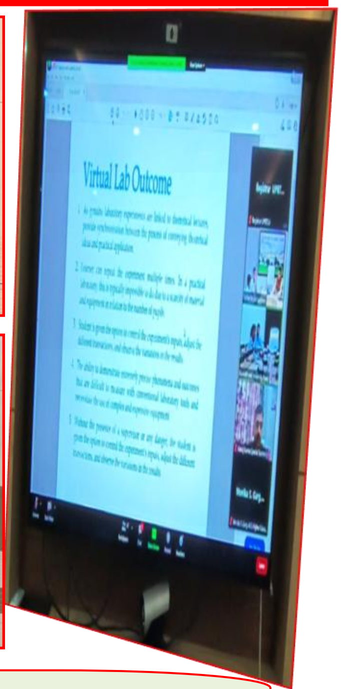

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय फैकेल्टी मेम्बर

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
10 मार्च, 2022

ACS HIGHER EDUCATION MEETING

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी

दिनांक 10 मार्च, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) पूर्वाह्न 11:45 बजे आयोजित की गयी। उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं कुलसचिव, प्रो0 पी0पी0 दुबे ने प्रतिभाग किया।

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करते हुए कुलसचिव, प्रो0 पी0पी0 दुबे

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
11 मार्च, 2022

सरिता कुमारी को स्वर्ण पदक

कार्यक्रम में 16वें दीक्षान्त समारोह में सरिता कुमारी को दिये जाने वाला स्वर्ण पदक जो तद्समय उनके अनुपस्थित रहने के कारण नही दिया जा सका था, जिसे आज दिनांक 11 मार्च, 2022 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह. उपस्थित रहे।

सरिता कुमारी को सर्टिफिकेट देती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

सरिता कुमारी को स्वर्ण पदक देती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
11 मार्च, 2022

वित्त समिति की 48वीं बैठक आयोजित

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, वित्त समिति की 48वीं बैठक दिनांक 11 मार्च, 2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 सीमा सिंह, माननीया कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। सर्वप्रथम माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह ने वित्त समिति के मा0 सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई
माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, उ0 प्र0 शासन की ओर से डॉ0 राजीव पाण्डेय, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, श्री बी.के.सिंह, पूर्व आयुक्त, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज, सचिव, वित्त विभाग, उ0 प्र0 शासन को ओर से श्री प्रमोद कुमार सिंह, अपर निनदेशक, पेंशन एवं कोषागार, प्रयागराज, श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0पी0 दुबे, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री डी.पी. सिह, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 मार्च, 2022

परीक्षा सामग्री लेके जा रही गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर कुलपति ने किया रवाना

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह ने बताया कि परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। पूरी परीक्षाएं 30 दिन में संचालित की जाएंगी।

परीक्षा सामग्री लेके जा रही गाड़ियों का पूजन करती हुई मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश की विभिन्न जेलों में बनाए जा रहे परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।

इसी क्रम में आज दिनांक 11 मार्च, 2022 को मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी ने परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा सामग्री लेके जा रही गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह एवं परीक्षा विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

विद्या परिषद् की 71वीं बैठक आयोजित

11 मार्च, 2022

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 71वीं बैठक दिनांक 11 मार्च, 2022 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो० सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

प्रो० सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0सदस्यगण।

माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी

बैठक में प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 आर.के. सिंह सिंह, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 एन0 के0 राना, भूगोल विभाग, विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 प्रभाकर सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी., काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य (इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचि बाजपेई, आचार्य (हिन्दी) मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान (समाज विज्ञान विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल, (समाज विज्ञान विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान (विज्ञान विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, (मानविकी विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक (विशेष आमंत्रित), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा/ कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, आनलाइन/आफ लाइन उपस्थित रहे।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0सदस्यगण।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

11 मार्च, 2022

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

....

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए–नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है।

सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से बाहर निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। प्रारंभ में उनके सामने कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े,नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया।

कार्यशाला में ग्राम प्रधान श्री महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा श्री राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 मार्च, 2022

महिला अध्ययन केंद्र ने कुलपति जी को भेंट की ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार की गयी गुलदस्ता

माननीय कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार की गयी गुलदस्ता भेंट करती हुई महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई एवं सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 08
अंक: 112
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शनिवार 12 मार्च 2022
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो..
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह, सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प सम्बंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाक कला, सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती है और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति पा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। शुरू में कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े, नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
प्रयागराज
वर्ष 31, अंक 180
शनिवार 12 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 ₹4.00
www.swatantrachetnanews.com गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह, सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है।

सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से बाहर निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। प्रारंभ में उनके सामने कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े, नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा श्री राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 12 अंक : 342, प्रयागराज, शनिवार 12 मार्च 2022, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार

मुविवि के महिला अध्ययन केन्द्र ने की गाँव में कार्यशाला

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह, सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प सम्बंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है।

सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाक कला, सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति पा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। शुरू में कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े, नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

● वर्ष : 15
● अंक : 36
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शनिवार, 12 मार्च 2022
● पृष्ठ : 12
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

मुविवि ने की ग्रामीण महिलाओं की कार्यशाला

- ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर
- ज्ञान व अनुभव को साझा करने से मनोबल बढ़ता है: प्रो. रुचि बाजपेयी

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है।

सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से बाहर निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। प्रारंभ में उनके सामने कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

महिला अध्ययन केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े,नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया।

कार्यशाला में ग्राम प्रधान श्री महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा श्री राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शनिवार 12 मार्च 2022

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती है और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े,नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान श्री महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा श्री राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक लखनऊ, शनिवार 12 मार्च 2022
नया भारत की नई उड़ान
सदमार्ग साक्षी
लखनऊ, रायबरेली, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, कानपुर, बहराइच, प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, मिर्जापुर, चित्रकूट, अयोध्या से प्रकाशित

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह, सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प सम्बंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाक कला, सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति पा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। शुरू में कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े, नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया।

वर्ष : 28 | अंक : 130
प्रतापगढ़ | शनिवार , 12 मार्च-2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है।सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से बाहर निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। प्रारंभ में उनके सामने कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े,नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज, शनिवार, 12 मार्च, 2022
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव-गांव में कार्यशाला

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े,नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया।

राष्ट्रीय
सहारा

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

प्रयागराज (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र की ओर से विवि द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम तहत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव ब्लाक तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विवि में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डा. साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। कपड़े,नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डा. अतुल कुमार मिश्र, डा. शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा श्री राजेश गौतम उपस्थित रहे।

प्रयाग प्रभात
आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, शनिवार, 12 मार्च, 2022 पृष्ठ : 4

कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा,स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए–नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से बाहर निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। प्रारंभ में उनके सामने कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़ेनायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार,पापड़,नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि,आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनूआंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी,श्रुति,साधना, करिश्मा,डॉ अतुल कुमार डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

purvanchalswar.com 8400976542, 9415860883 मूल्य: रू. 2 संपादक- राहुल
दैनिक
पूर्वांचल स्वर
purvanchalswardainik@gmail.com शनिवार, 12 मार्च, 2022 वर्ष: 10 अंक: 68 पृष्ठ: 08 बलिया से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
03 बलिया, उत्तर प्रदेश, शनिवार, 12 मार्च 2022 प्रयागराज

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

हनुमान प्रसाद शुक्ल
मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह,सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से बाहर निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। प्रारंभ में उनके सामने कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े,नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान श्री महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा श्री राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

2 | राजधानी 'गणतंत्र' पर नहीं हावी हो पाया 'मनतंत्र'
6 | अभिमत रूस का यूक्रेन पर विनाशकारी हमला
10 | विदेश चीन के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन की स्थिति पर चिंता व्यक्त की
11 | विविध गैस्ट्रोनॉमी का एक कश
RNI NO.UPHIN/2010/36547
लखनऊ, शनिवार, 12 मार्च, 2022
लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

गुलाबी गेंद के टेस्ट में जरूरी सामंजस्य के लिए कोई तय मानदंड नहीं
स्पोर्ट्स-12
www.dailypioneer.com

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने गांव में की कार्यशाला

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

कार्यशाला में मौजूद महिलाएं।

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विवि द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प संबंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि विवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाते रहने के लिए संकल्पबद्ध हैं। सहायक समन्वयक डा साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाककला सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा। घर से बाहर निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। उनके सामने कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। कार्यशाला में कपड़े नायलान डोरी कागज मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान गुलदान डलिया झालर पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। प्रधान महेन्द्र गिरि आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव जुगनू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी श्रुति साधना करिश्मा डा अतुल कुमार मिश्र डा शिवेंद्र प्रताप सिंह राजेश गौतम उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
संस्थापक स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी
प्रयागराज, शनिवार 12 मार्च 2022- मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8
प्रयागराज से प्रकाशित RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17 वर्ष 22 अंक-70

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

प्रयागराज, ११ मार्च । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह, सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प सम्बंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाक कला, सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति पा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। शुरू में कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े, नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के लिए 12 केंद्र

जासं, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। 15 मार्च से 25 अप्रैल तक होने वाली परीक्षाओं के लिए लखनऊ क्षेत्र के अंतर्गत नौ जिलों में 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन पर 5,116 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें सिर्फ लखनऊ में दो केंद्रों पर 2,650 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक नीरांजलि सिन्हा ने बताया कि विद्यार्थी प्रवेश पत्र और परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in से डाउनलोड कर सकते हैं। प्रमाणपत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षाएं 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में होंगी। पहली पाली सुबह सात से 10 बजे तक, सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक दूसरी पाली तथा तीन बजे से शाम छह बजे तक तीसरी पाली में होगी।

इन केंद्रों पर होंगी परीक्षाएं

- **लखनऊ** : श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय सूर्यनगर नगर राजाजीपुरम, विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ
- **बहराइच** : लार्ड बुद्धा पीजी कालेज साकेत नगर रुपईडीहा बहराइच, उदयराज चंद्रभान श्यामा देवी महिला महाविद्यालय, चंद्र नगर खानपुर हुजूरपुर बहराइच
- **सीतापुर** : आरएमपी पीजी कालेज सीतापुर
- **हरदोई** : सुभाष चंद्र बोस स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोसाईगंज हरदोई
- **रायबरेली** : फिरोज गांधी कालेज रायबरेली
- **बाराबंकी** : रामनगर पीजी कालेज रामनगर बाराबंकी, जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल पोस्ट ग्रेजुएट कालेज बाराबंकी
- **लखीमपुर खीरी** : युवराज दत्त महाविद्यालय लखीमपुर खीरी
- **श्रावस्ती** : सत्य नारायण उच्च शिक्षा संस्थान तुलसीपुर श्रावस्ती
- **बलरामपुर** : श्री रामतीर्थ चौधरी महाविद्यालय बलरामपुर

अमर चेतना
(हिन्दी दैनिक) (प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, शनिवार, 12 मार्च, 2022 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में कार्यशाला

⇨ ग्रामीण महिलाओं ने दिखाए कलात्मक हुनर

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा अंगीकृत गांव में संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जैतवार डीह, सोरांव विकासखंड तथा मातादीन का पूरा, फाफामऊ में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं को अपनी घरेलू एवं कलात्मक हस्तशिल्प सम्बंधी दक्षता के आधार पर पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय में भविष्य में आयोजित किए जाने वाले ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी कार्यक्रम के विषय में भी महिलाओं को जानकारी दी। कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र रोजगार परक कौशलों के क्षेत्र में नए-नए ज्ञान और अनुभव को ग्रामीणों के साथ साझा करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण हस्तशिल्प पाक कला, सिलाई कढ़ाई आदि द्वारा महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं और बहुत हद तक अपनी समस्याओं से मुक्ति पा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिलाओं को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा और घर से निकलने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। शुरू में कुछ मुसीबतें आएंगी लेकिन प्रयत्न करने से उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। केंद्र के अन्य सदस्यों ने भी ग्रामीण महिलाओं से बातचीत की और कार्यशाला में उनके द्वारा बनाकर लाई गई कपड़े, नायलान डोरी, कागज, मूंज आदि से निर्मित हस्तशिल्प सामग्री पांवदान, गुलदान, डलिया, झालर, पंखे तथा सजावटी सामान आदि का निरीक्षण किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित अचार, पापड़, नमकीन आदि का भी परीक्षण किया गया। कार्यशाला में ग्राम प्रधान महेन्द्र गिरि, आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव, श्रीमती जुगनू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी, श्रुति, साधना, करिश्मा, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
12 मार्च, 2022

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

आर्य कन्या महाविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 12 मार्च, 2022 को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह का आयोजन हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी रही। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 रमा सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, गोला फेक, चक्का फेक,कबड्डी, खो–खो, चेस एवं कैरम के विजेताओं क्रमशः सुकन्या सिंह, कीर्ति सिंह, आरती साहू, रिया निषाद, करिश्मा, प्रिया यादव, अंशिका साहू, एकता बानो, शिवानी केसरवानी, मृदु मिश्रा, अनुराधा सिंह, कीर्ति तिवारी, बबली, अंशु मिश्रा, प्राची सिंह, ईशिता द्विवेदी एवं नेहा त्रिपाठी को सम्मानित किया।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 रमा सिंह जी एवं खेलकूद प्रतियोगिताा का उद्घाटन करती हुई मा0 कुलपति जी।

छात्राओं को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि महिलाएं सृजनकर्ता हैं। जहॉ भी महिलाओं के सशक्त होने की बात होती है, लक्ष्य निर्धारण मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

दैनिक जागरण

लक्ष्य निर्धारण से सशक्त होंगी महिलाएं : कुलपति

जासं, प्रयागराज : आर्य कन्या महविद्यालय में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि आइजी राकेश सिंह ने सभी को खेल शपथ दिलाई। उन्होंने कहा पढ़ाई के साथ खेलकूद की प्रतियोगिताओं में भागीदारी अच्छी पहल है। शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने बताया महाविद्यालय की छात्राएं सभी प्रतियोगिताओं में अव्वल रहती हैं।

अतिथियों का स्वागत प्राचार्या डा. रमा सिंह ने किया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा महिलाएं सृजनकर्ता हैं। जहां भी महिलाओं के सशक्त होने की बात होती है, लक्ष्य निर्धारण मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। मुख्य अतिथि ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, गोला फेंक, चक्का फेंक, कबड्डी, खो-खो, चेस एवं कैरम के विजेताओं क्रमशः सुकन्या सिंह, कीर्ति सिंह, आरती साहू, रिया निषाद, करिश्मा, प्रिया यादव, अंशिका साहू, एकता बानो, शिवानी केसरवानी, मृदु मिश्रा, अनुराधा सिंह, कीर्ति तिवारी, बबली, अंशु मिश्रा, प्राची सिंह, ईशिता द्विवेदी, नेहा त्रिपाठी को सम्मानित किया।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

14 मार्च, 2022

माननीया कुलपति जी की अध्यक्षता में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक तथा परीक्षा केन्द्राध्यक्षकों की आनलाइन बैठक

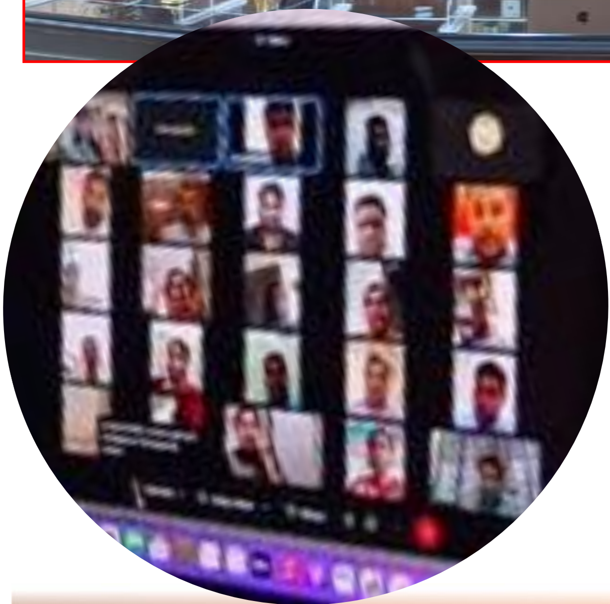

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी की अध्यक्षता में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक तथा परीक्षा केन्द्राध्यक्षकों के साथ बैठक (आनलाइन) दिनांक 14 मार्च, 2022 को दोपहर 12:00 बजे आयोजित की गई।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार 15 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी।

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 15 मार्च से

60 हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

आठ केंद्रीय कारागार में भी बने परीक्षा केंद्र

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके अतिरिक्त जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश के प्रयागराज, आगरा, आजमगढ़, गाजियाबाद, अयोध्या, बरेली, मेरठ तथा फतेहपुर में स्थित केंद्रीय कारागार में बने परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।

श्री सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7:00 से 10:00 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।

इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 1:00 से 4:00 तक आयोजित की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह

माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज सभी केंद्राध्यक्षों के साथ ऑनलाइन बैठक करके उन्हें शुचितापूर्ण ढंग से एवं कोविड–19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत नकल विहीन परीक्षाएं संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। विश्वविद्यालय द्वारा गठित पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीम परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगी।

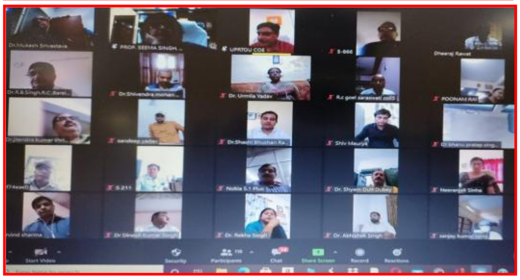

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
14 मार्च, 2022

ACS HIGHER EDUCATION MEETING

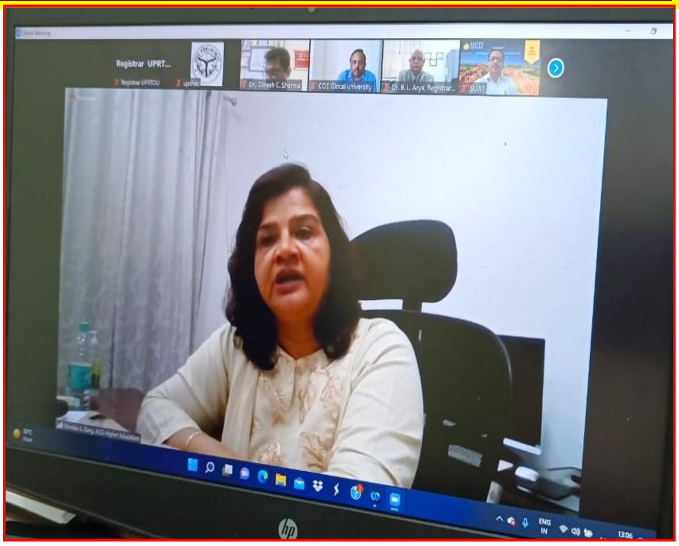

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी

दिनांक 14 मार्च, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) दोपहर 12:15 बजे आयोजित की गयी। उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं कुलसचिव, प्रो0 पी0पी0 दुबे ने प्रतिभाग किया।

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करते हुए कुलसचिव, प्रो0 पी0पी0 दुबे

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

14 मार्च, 2022

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में महिला शिक्षा एवं स्वावलंबन जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी तैयारी कार्यशाला

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी गांव में महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 14 मार्च, 2022 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में जहॉं एक ओर ग्रामीण महिलाओं को विश्वविद्यालय के शैक्षिक तथा रोजकारपरक कार्यक्रमों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयी, वही दूसरी ओर उनमें स्व–रोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने हेतु विश्वविद्यालय में आगामी कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रदर्शनी और अन्य गतिविधियों की सूचनाऍं भी दी गयी।

विश्वविद्यालय के महिलला अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन प्रयागराज के विभिन्न गॉवों में किया जा रहा है। विश्वविॖलय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी का कहना है कि ग्रामीण महिलाओं में पाये जाने वाले अनेक घरेलू एवं कलात्मक कौशलों को पुष्पित–पल्लवित करने की दिशा में उन्हें जागरूक करना और इन हस्तशिल्पों के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की प्रस्तावना करने का प्रयास महिला अध्ययन केन्द्र कर रहा है, जो अत्यन्त सराहनीय है। विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं और इस केन्द्र के समन्वित सहयोग से हम सब इस दिशा में निरन्तर आगे बढ़नें हेतु कृतसंकल्पित हैं।

माननीया कुलपांते प्रो ० सीमा सिंह जी

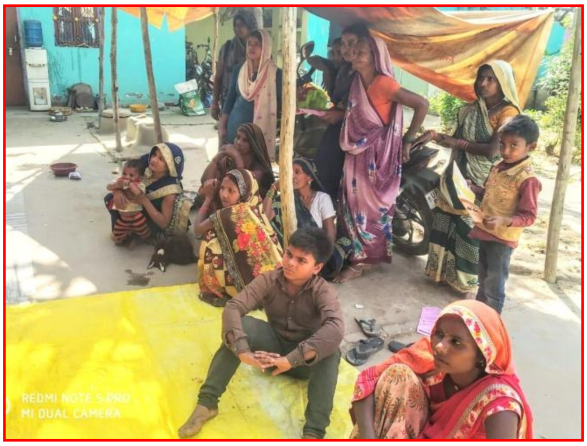

प्रयागराज के सोरांव विकास खण्ड के गोहरी गॉव में आयोजित इस कार्यशाला में महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेई, सह–समन्वयक डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्त और केन्द्र के अन्य सदस्य डॉ0 शिवेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्री राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को विविध हस्तशिल्पों जैसे–बागवानी, सिलाई, पाक कला, दस्तकारी, चित्रकला आदि पर विश्वविद्यालय में भविष्य में प्रारम्भ किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विषय में जानकारी दी। गॉव की जो महिलाएँ इन कलाओं में दक्ष हैं वे यदि अपनी प्रतिभा को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रदर्शनी आदि के माध्यम से सामने लाएँगी, तो विश्वविद्यालय प्रशिक्षण के द्वारा उनके कौशल में वृद्धि करने में उनकी हर संभव सहायता करने के लिए तत्पर है। इसी से आगे भविष्य में उनके समक्ष स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के नए अवसर उपस्थित होंगे।

इस कार्यक्रम में गोहरी गॉव की प्रधान श्रीमती चमेला देवी, शिवपूजन जी, शान्ति आदि अन्य लोग उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं का उत्साह दर्शनीय था।

जनसंदेश टाइम्स

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं आज से

60 हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा

आठ केंद्रीय कारागार में भी बने परीक्षा केंद्र

जनसंदेश न्यूज

फाफामऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार15 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके अतिरिक्त जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश के प्रयागराज, आगरा, आजमगढ़, गाजियाबाद, अयोध्या, बरेली, मेरठ तथा फतेहपुर में स्थित केंद्रीय कारागार में बने परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगेश्री सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7:00 से 10:00 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 1:00 से 4:00 तक आयोजित की जाएगी कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज सभी केंद्राध्यक्षों के साथ ऑनलाइन बैठक करके उन्हें शुचितापूर्ण ढंग से एवं कोविड-19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत नकल विहीन परीक्षाएं संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये विश्वविद्यालय द्वारा गठित पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीम परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी प्रभात चंद्र मिश्र ने दी

प्रयाग प्रभात
वर्ष 11 अंक 286 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, मंगलवार, 15 मार्च, 2022 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं आज से

प्रयागराज|| प्रयाग प्रभात न्यूज प्रयागराज 60 हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार15 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं| परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी| परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे| इसके अतिरिक्त जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश के प्रयागराज, आगरा, आजमगढ़, गाजियाबाद, अयोध्या, बरेली, मेरठ तथा फतेहपुर में स्थित केंद्रीय कारागार में बने परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे| सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रातः 7:00 से 10:00 बजे तक प्रथम पाली, पूर्वाह्न 11:00 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है| इसके पश्चात 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 1:00 से 4:00 तक आयोजित की जाएगी| कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज सभी केंद्राध्यक्षों के साथ ऑनलाइन बैठक करके उन्हें शुचितापूर्ण ढंग से एवं कोविड–19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत नकल विहीन परीक्षाएं संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये| विश्वविद्यालय द्वारा गठित पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीम परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगी|

मुक्त विवि की परीक्षाएं आज से

● साठ हजार शिक्षार्थी देंगे परीक्षा ● आठ केंद्रीय कारागार में भी बने परीक्षा केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार 15 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके अतिरिक्त जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश के प्रयागराज आगरा आजमगढ़ गाजियाबाद अयोध्या बरेली मेरठ तथा फ्तेहपुर में स्थित केंद्रीय कारागार में बने परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षा देंगे।

श्री सिंह ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में प्रात: 7 से 10 बजे तक प्रथम पाली पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक द्वितीय पाली तथा अपराह्न 3 बजे से सायं 6 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है।

इसके बाद 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रात: 9 से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर एक से चार तक आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज सभी केंद्राध्यक्षों के साथ ऑनलाइन बैठक कर उन्हें शुचितापूर्ण ढंग से एवं कोविड 19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत नकल विहीन परीक्षाएं संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये हैं। विवि द्वारा गठित पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीम परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगी।

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं आज से

तैयारी

- 130 केंद्रों पर 60 हजार परीक्षार्थी 25 अप्रैल तक देंगे परीक्षा
- 24 मार्च से 25 अप्रैल तक यूजी, पीजी परीक्षा दो पाली में होगी

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की दिसंबर 2021 की परीक्षाएं 15 मार्च से शुरू होगी और 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगभग 130 परीक्षा केंद्रों पर 60 हजार शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके अतिरिक्त जेल बंदी परीक्षार्थी प्रयागराज, आगरा, आजमगढ़, गाजियाबाद, अयोध्या, बरेली, मेरठ और फतेहपुर स्थित केंद्रीय कारागार में परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में 7 से 10 बजे तक प्रथम पाली, 11 बजे से 2 बजे तक द्वितीय पाली और 3 बजे से 6 बजे तक तृतीय पाली में प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा का आयोजन किया गया है। इसके बाद 24 मार्च से 25 अप्रैल तक स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने सभी केंद्राध्यक्षों के साथ ऑनलाइन बैठक करके उन्हें शुचितापूर्ण एवं कोविड-19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत नकल विहीन परीक्षाएं संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय द्वारा गठित पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीम परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगी।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, मंगलवार
15 मार्च, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16
www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

विस अध्यक्ष पर भड़के नीतीश, बोले–आप कर रहे संविधान का उल्लंघन 15

मोदी जबरदस्त जोश और ऊर्जा वाले नेता 15

आनलाइन भी मिलेंगे यूपी बोर्ड परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र

आनलाइन प्रवेशपत्र निकाल मुहर लगाकर देंगे प्रधानाचार्य

राज्य ब्यूरो, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2022 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा 24 मार्च से शुरू होने के चलते प्रवेश पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। यूपी बोर्ड की ओर से प्रदेश के सभी पांच क्षेत्रीय कार्यालयों को प्रवेश पत्रों के बंडल भेज दिए गए हैं। इसके अलावा विद्यालयों के प्रधानाचार्य प्रवेशपत्र आनलाइन डाउनलोड कर मुहर लगाकर अभ्यर्थियों को दे सकेंगे।

10वीं और 12वीं की परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी। बोर्ड सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने आफलाइन प्रवेश पत्र भेजने के बाद आनलाइन प्रवेश पत्र जारी किए जाने के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। कहा है कि 17 मार्च से परीक्षार्थियों को विद्यालयों से प्रवेशपत्र दिए जाएंगे। परिषद की वेबसाइट से डाउनलोड कर विद्यालयों के प्रधानाचार्यों द्वारा निर्गत किया जाने वाला प्रवेश पत्र भी मान्य होगा। क्षेत्रीय कार्यालयों से आफलाइन प्रवेश पत्र जिलों में भेजे जा रहा हैं। प्रवेशपत्र के संबंध में व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षकों को दिए गए हैं, ताकि सभी परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र प्राप्त हो सके। इस वर्ष कुल 51,92,689 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इसमें हाईस्कूल के 27,81,654 और इंटरमीडिएट के 23,11,035 परीक्षार्थी हैं।

परीक्षार्थियों की मदद के लिए हेल्पलाइन शुरू

जासं, प्रयागराज : यूपी बोर्ड की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के लिए मनोविज्ञानशाला की तरफ से हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। 1800-180-5311 पर सुबह 10 से शाम पांच बजे तक विद्यार्थी व उनके अभिभावक फोन कर निश्शुल्क परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

मनोविज्ञानशाला की निदेशक उषा चंद्रा ने बताया कि 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले तमाम विद्यार्थी व अभिभावक मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जूझते हैं। फेल होने या कम अंक मिलने का डर उन्हें सताने लगता है। कई विद्यार्थियों को अंग्रेजी, गणित के साथ विज्ञान में

टेक्निकल नाम या शब्दावली याद करने में परेशानी होती है। उसके लिए भी कुछ टिप्स प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षा के समय कितना पढ़ें। क्या समय सारिणी रखें इन सभी बिंदुओं पर सुझाव ले सकते हैं। परीक्षा के समय कई विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन नहीं लगता या फिर उन्हें नींद नहीं आती, कुछ लोगों को मुंह सूखने, उल्टी आने, बार बार लघुशंका जैसी समस्याएं भी होती हैं। सभी का समाधान मनोविज्ञानी फोन पर देंगे।

सूबे के 130 केंद्रों पर मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं आज से

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसंबर-2021 की परीक्षाएं आज यानी मंगलवार से होंगी। आठ केंद्रीय कारागार समेत प्रदेश के 130 केंद्रों पर परीक्षा कराई जाएगी। इस परीक्षा में तकरीबन 60 हजार छात्र-छात्राएं शामिल होंगी। 25 अप्रैल को परीक्षाएं समाप्त होंगी।

परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में 130 केंद्रों पर 60,000 शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। बंदी परीक्षार्थी प्रयागराज, आगरा, आजमगढ़, गाजियाबाद, अयोध्या, बरेली, मेरठ तथा फतेहपुर के केंद्रीय कारागार में बने केंद्रों में परीक्षा देंगे। 15 मार्च से 23 मार्च तक तीन पालियों में सुबह सात से 10 तक पहली, 11 से दो बजे तक दूसरी और तीन से शाम छह बजे तक तीसरी पाली में प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि कार्यक्रमों की परीक्षा कराई जाएगी। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सोमवार को सभी केंद्राध्यक्षों के साथ आनलाइन बैठक कर उन्हें शुचितापूर्ण ढंग से एवं कोविड-19 प्रोटोकाल के अंतर्गत नकलविहीन परीक्षाएं कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
15 मार्च, 2022

कार्य परिषद् की 123वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 123वीं बैठक दिनांक 15 मार्च, 2022 को अपराह्न 03:15 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0सदस्यगण।

कार्य परिषद् की 122वीं बैठक आयोजित

बैठक में माननीय न्यायमूर्ति श्री सुनीत कुमार, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), प्रो0 निर्मला एस. मौर्य, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद दास, प्रति कुलपतिख इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, श्री ओम प्रकाश बदलानी, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रयाग क्ले प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड आफ रिंग रोड, वाराणसी, श्री अभय सिंह, सूर्या इण्डिया पैलेस, वाराणसी, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा शास्त्र (शिक्षा विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान (समाज विज्ञान विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार (मानविकी विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक (विशेष आमंत्रित), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी (विशेष आमंत्रित), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0सदस्यगण।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, बुधवार, 16 मार्च, 2022

फैसला — उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर की व्यवस्था लागू

सात से 15 दिनों में समस्या का समाधान

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों तथा कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। अब उन्हें शिकायतों और फाइलों के बारे में सटीक जानकारी के लिए विभागों के चक्कर नहीं काटने होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर की व्यवस्था लागू कर दी गई है। यह व्यवस्था प्रयागराज समेत सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों (गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी, बरेली, आगरा, गाजियाबाद, मेरठ, झांसी, कानपुर, अयोध्या और आजमगढ़) में लागू होगी। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कार्य परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से सिटीजन चार्टर को मंजूरी दे दी गई।

कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय में शिक्षकों-कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं की तमाम तरह की शिकायतें और फाइलें लंबे समय तक एक ही पटल पर रह जाती थीं। इनके निराकरण में काफी देरी होती थी। यदि संबंधित शिकायत अथवा फाइल के बारे में जानने का प्रयास किया जाता तो संतोषजनक जानकारी भी देरी से मिलती थी। ऐसे में अब सर्वसम्मति से विश्वविद्यालय सिटीजन चार्टर की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रस्ताव को कार्य परिषद ने हरी झंडी भी दे दी। इसके तहत विभिन्न पटल पर फाइलों का निस्तारण सात से 15 दिन के भीतर करना होगा। यदि लंबे समय तक फाइल एक ही पटल पर रहती है तो इसकी जवाबदेही उस पटल की होगी। इनमें प्रवेश प्रभारी, पाठ्य सामग्री प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति के अध्यक्ष की प्रमुख भूमिका रहेगी। बैठक में डा. गोविंद शेखर, ओम प्रकाश बदलानी, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. पीके पांडेय, डा. आनंदानंद त्रिपाठी, डा. साधना श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय मे कार्य परिषद की बैठक मे शामिल कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ● साभार: मीडिया सैल

****

दैनिक जागरण inext
Prayagraj, Wednesday, 16 March 2022

ओपन यूनिवर्सिटी में सिटीजन चार्टर लागू

prayagraj@inext.co.in
PRAYAGRAJ (15 March): यूपीआरटीओयू की कार्यपरिषद की बैठक में आज महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारंभ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगाई. सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम 7 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा. विश्वविद्यालय स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी. प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी, पाठ्य सामग्री प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी. अध्यक्षता वीसी प्रो. सीमा सिंह ने की.

प्रयागराज, बुधवार, 16 मार्च, 2022
जनसंदेश टाइम्स — परख सच की
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार को पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हुई। परीक्षा के पहले दिन प्रमाण पत्र एवं डिप्लोमा के परीक्षार्थियों ने तीन पालियों में परीक्षा दी। परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में सभी परीक्षा केंद्रों पर शुचिता पूर्ण ढंग से परीक्षाएं प्रारंभ हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत सीटिंग प्लान किया गया है।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस — सच का आधार
वर्ष : 12 अंक : 346, प्रयागराज, बुधवार 16 मार्च 2022

मुक्त विवि में सिटीजन चार्टर लागू, कार्य परिषद ने दी हरी झण्डी

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारम्भ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगाई। सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम 7 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी।

डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इनमें प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी, पाठ्य सामग्री प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी। कार्यपरिषद की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ गोविंद शेखर, ओम प्रकाश बदलानी, प्रोफेसर पी.पी दुबे, प्रोफेसर पी.के पांडेय, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज, बुधवार, 16 मार्च, 2022
जनसंदेश टाइम्स — परख सच की
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

हस्तशिल्प कला में महिला प्रतियोगियों की दिखी प्रतिभाएं

हस्त शिल्प में लोगों को जागरुक करती महिलाएं

प्रतियोगिता

मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने चलाया जागरुकता अभियान

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आगामी माह में आयोजित होने वाले ग्रामीण हस्त शिल्प कला और प्रदर्शनी के लिए गोहरी ग्राम सभा में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि उनके हुनर को निखारने के लिए यह प्रदर्शनी एक लीक का पत्थर साबित होगी। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा बनाए गए घरेलू सामान जैसे मूंज से बने सामानों में पंखे, डलिया, टोकरी, मिट्टी के बर्तन, मास्क, पायदान आदि सामानों का स्टाल लगाकर अपने हुनर को दिखा सकती है। आगे यह भी बताया गया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से एक बाजार मिल सकेगा जहां अपने सामानों को बेच कर कुछ धन अर्जित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस कार्यक्रम में 8 से 12 वर्ष की लड़कियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी अयोजित की जाएगी। महिलाएं लोकगीत जैसे सोहर, कजरी, विवाह गीत, कहानियां, लोकनृत्य, फगुआ आदि में भी प्रतिभाग कर सकती हैं, जिससे लुप्त हो रही ऐसी विधाओं को पुनर्जीवित किया जा सके।। गोहरी गांव की महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित मूंज के सामान जैसे डलियां, पंखे, आदि को नमूने के तौर पर दिखाया।। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए महिलाओं में काफी उत्साह दिखा।सोरांव विकासखंड के गोहरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी । केन्द की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने होली पर्व से पहले आयोजित इस कार्यशाला में गांव की सभी महिलाओं को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं समस्त वि.वि. परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं दी और वि.वि. द्वारा आयोजित प्रसार कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के लिए गोहरी ग्राम की महिलाओं को प्रोत्साहित किया।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
वर्ष –07–अंक– 58, प्रयागराज बुधवार 16 मार्च, 2022, पृष्ठ –8 मूल्य रू0 1.00 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण email: dainikkarmath@gmail

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर लागू

कर्मठ समाचार/प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज की कार्यपरिषद की बैठक में आज महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारंभ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगाई। सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम 7 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी। जिनमें प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी, पाठ्य सामग्री प्रभारीए परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी।

कार्यपरिषद की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ गोविंद शेखरए श्री ओम प्रकाश बदलानी, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पी के पांडे, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बुधवार 16 मार्च 2022

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर लागू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कार्यपरिषद की बैठक में आज महत्वपूर्ण निणय लिए गए। विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारंभ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगाई। सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम 7 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी। जिनमें प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी, पाठ्य सामग्री प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी। कार्यपरिषद की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ गोविंद शेखर, श्री ओम प्रकाश बदलानी, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पी के पांडे,डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बुधवार 16 मार्च 2022

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार को पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हुई। परीक्षा के पहले दिन प्रमाण पत्र एवं डिप्लोमा के परीक्षार्थियों ने तीन पालियों में परीक्षा दी। परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में सभी परीक्षा केंद्रों पर शुचिता पूर्ण ढंग से परीक्षाएं प्रारंभ हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत सीटिंग प्लान किया गया है।

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 08
अंक: 116
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
बुधवार 16 मार्च 2022
हिन्दी दैनिक
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुक्त विवि में सिटीजन चार्टर लागू, कार्य परिषद ने दी हरी झंडी

प्रयागराज। विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारम्भ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगाई। सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम 7 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी।

प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इनमें प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी, पाठ्य सामग्री प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी। कार्यपरिषद की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ गोविंद शेखर, ओम प्रकाश बदलानी, प्रोफेसर पी.पी दुबे, प्रोफेसर पी.के पांडेय, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 28 | अंक : 134
प्रतापगढ़ | बुधवार , 16 मार्च 2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
प्रतापगढ़,लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
R.N.I. No. : 71870/94

ग्रामीण हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी में गोहरी की महिलाएं अव्वल

मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने चलाया जागरूकता अभियान

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आगामी माह में आयोजित होने वाले ग्रामीण हस्त शिल्प कला और प्रदर्शनी के लिए गोहरी ग्राम सभा में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमे महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि उनके हुनर को निखारने के लिए यह प्रदर्शनी एक लीक का पत्थर साबित होगी। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा बनाए गए घरेलू सामान जैसे मूंज से बने सामानों में पंखे, डलिया, टोकरी, मिट्टी के बर्तन, मास्क, पायदान आदि सामानों का स्टाल लगाकर अपने हुनर को दिखा सकती है। आगे यह भी बताया गया कि इस प्रर्दशनी के माध्यम से एक बाजार मिल सकेगा जहां अपने सामानों को बेच कर कुछ धन अर्जित कर सकते है और आत्मनिर्भर बन सकते है। इस कार्यक्रम में 8 से 12 वर्ष की लड़कियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी अयोजित की जाएगी। महिलाएं लोकगीत जैसे सोहर, कजरी,

विवाह गीत, कहानियां, लोकनृत्य, फगुआ आदि में भी प्रतिभाग कर सकती है, जिससे लुप्त हो रही ऐसी विधाओं को पुनर्जीवित किया जा सके।। गोहरी गांव की महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित मूंज के सामान जैसे डलियां, पंखे, आदि को नमूने के तौर पर दिखाया।। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए महिलाओं में काफी उत्साह दिखा।सोरांव विकासखंड के गोहरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं श्री राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी।केन्द्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने होली पर्व से पहले आयोजित इस कार्यशाला में गांव की सभी महिलाओं को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं समस्त वि.वि. परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और वि.वि. द्वारा आयोजित प्रसार कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के लिए गोहरी ग्राम की महिलाओं को प्रोत्साहित किया।

● वर्ष : 15
● अंक : 40
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● बुधवार, 16 मार्च 2022
● पृष्ठ : 12
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

ग्रामीण हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी में गोहरी की महिलाएं अव्वल

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आगामी माह में आयोजित होने वाले ग्रामीण हस्त शिल्प कला और प्रदर्शनी के लिए गोहरी ग्राम सभा में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफ़ेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि उनके हुनर को निखारने के लिए यह प्रदर्शनी एक लीक का पत्थर साबित होगी। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा बनाए गए घरेलू सामान जैसे मूंज से बने सामानों में पंखे, डलिया, टोकरी, मिट्टी के बर्तन, मास्क, पायदान आदि सामानों का स्टाल लगाकर अपने हुनर को दिखा सकती है। आगे यह भी बताया गया कि इस प्रर्दशनी के माध्यम से एक बाजार मिल सकेगा जहां अपने सामानों को बेच कर कुछ धन अर्जित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बन

सकते हैं। इस कार्यक्रम में 8 से 12 वर्ष की लड़कियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी अयोजित की जाएगी। महिलाएं लोकगीत जैसे सोहर, कजरी, विवाह गीत, कहानियां, लोकनृत्य, फगुआ आदि में भी प्रतिभाग कर सकती हैं, जिससे लुप्त हो रही ऐसी विधाओं को पुनर्जीवित किया जा सके।। गोहरी गांव की महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित मूंज के सामान जैसे डलियां, पंखे, आदि को नमूने के तौर पर दिखाया।। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए महिलाओं में काफी उत्साह दिखा। सोरांव विकासखंड के गोहरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रोफ़ेसर रुचि बाजपेई, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी । केन्द्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने होली पर्व से पहले आयोजित इस कार्यशाला में गांव की सभी महिलाओं को कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह एवं समस्त वि.वि. परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
वर्ष –07–अंक– 58, प्रयागराज बुधवार 16 मार्च, 2022, पृष्ठ –8 मूल्य रू0 1.00 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण email: dainikkarmath@gmail.com

ग्रामीण हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी में गोहरी की महिलाएं अव्वल

मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने चलाया जागरूकता अभियान

कर्मठ समाचार/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय मे स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आगामी माह में आयोजित होने वाले ग्रामीण हस्त शिल्प कला और प्रदर्शनी के लिए गोहरी ग्राम सभा मे एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमे महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि उनके हुनर को निखारने के लिए यह प्रदर्शनी एक लीक का पत्थर साबित होगी। प्रदर्शनी मे महिलाओ द्वारा बनाए गए घरेलू सामान जैसे मूंज से बने सामानो मे पंखेए डलियाए टोकरीए मिट्टी के बर्तनए मास्कए पायदान आदि सामानों का स्टाल लगाकर अपने हुनर को दिखा सकती है। आगे यह भी बताया गया कि इस प्रर्दशनी के माध्यम से एक बाजार मिल सकेगा जहां अपने सामानों को बेच कर कुछ धन अर्जित कर सकते है और आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस कार्यक्रम मे 8 से 12 वर्ष की लड़कियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी अयोजित की जाएगी। महिलाएं लोकगीत जैसे सोहरए कजरीए विवाह गीतए कहानियांए लोकनृत्यए फगुआ आदि मे भी प्रतिभाग कर सकती हैए जिससे लुप्त हो रही ऐसी विधाओं को पुनर्जीवित किया जा सके।। गोहरी गांव की महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित मूंज के सामान जैसे डलियांए पंखेए आदि को नमूने के तौर पर दिखाया।। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए महिलाओ मे काफी उत्साह दिखा।

सोरांव विकासखंड के गोहरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर रुचि बाजपेईए डॉ श्रुतिए डॉ मीरा पालए डॉ साधना श्रीवास्तवए डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं श्री राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओ को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा मे जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी ।

केन्द्र की समन्वयक प्रो० रुचि बाजपेई ने होली पर्व से पहले आयोजित इस कार्यशाला मे गांव की सभी महिलाओ को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं समस्त विण्विण् परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं दी और विण्विण् द्वारा आयोजित प्रसार कार्यक्रमो मे सक्रिय सहभागिता के लिए गोहरी ग्राम की महिलाओ को प्रोत्साहित किया।

2 | राजधानी पुलिसकर्मियों की होली के चलते छुट्टियां रद्द
6 | अभिमत एलपीजी सब्सिडी पर गंभीर विमर्श जरूरी
10 | विदेश यूक्रेन से 30 लाख से ज्यादा लोग दूसरे देशों में गए
11 | विविध बुनकरों पर कोरोना की मार
RNI NO.UPHIN/2010/36547
लखनऊ, बुधवार, 16 मार्च, 2022
लखनऊ संस्करण
लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

लक्ष्य सेन विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुंच
स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

ग्रामीण हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी में गोहरी की महिलाएं अव्वल

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आगामी माह में आयोजित होने वाले ग्रामीण हस्त शिल्पकला और प्रदर्शनी के लिए गोहरी ग्राम सभा में संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि उनके हुनर को निखारने के लिए यह प्रदर्शनी एक लीक का पत्थर साबित होगी। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा बनाए गए घरेलू सामान जैसे मूंज से बने सामानों में पंखे डलिया टोकरी मिट्टी के बर्तन मास्क पायदान आदि सामानों का स्टाल लगाकर अपने हुनर को दिखा सकती है। बताया गया कि इस प्रर्दशनी के माध्यम से एक बाजार मिल सकेगा। जहां अपने सामानों को बेंच कर कुछ धन अर्जित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते हैं। कार्यक्रम में 8 से 12 वर्ष की लड़कियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी अयोजित की जाएगी। महिलाएं

कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीण महिलाएं।

लोकगीत जैसे सोहर कजरी विवाह गीत कहानियां लोकनृत्य फगुआ आदि में भी प्रतिभाग करेंगी। जिससे लुप्त हो रही ऐसी विधाओं को पुनर्जीवित किया जा सके। गोहरी गांव की महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित मूंज के सामान जैसे डलियां पंखे आदि को नमूने के तौर पर दिखाया। सोरांव विकासखंड के गोहरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर रुचि बाजपेई डा श्रुति डा मीरा पाल डा साधना श्रीवास्तव डा शिवेंद्र प्रताप सिंह राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

मुक्त विवि की परीक्षाएं शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार को पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुई। परीक्षा के पहले दिन प्रमाण पत्र एवं डिप्लोमा के परीक्षार्थियों ने तीन पालियों में परीक्षा दी। परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में सभी परीक्षा केंद्रों पर शुचिता पूर्ण ढंग से परीक्षाएं प्रारंभ हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर कोविड 19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत सीटिंग प्लान किया गया है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी डा प्रभात चंद्र मिश्र ने दी।

सिटीजन चार्टर को कार्य परिषद ने दी हरी झंडी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में आज महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारंभ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगा दी। सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम सात दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। विवि स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी। जिनमें प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी पाठ्य सामग्री प्रभारी परीक्षा नियंत्रक अध्ययन केंद्र प्रभारी वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बुधवार 16 मार्च 2022

ग्रामीण हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी में गोहरी की महिलाएं अव्वल

मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने चलाया जागरूकता अभियान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आगामी माह में आयोजित होने वाले ग्रामीण हस्त शिल्प कला और

प्रदर्शनी के लिए गोहरी ग्राम सभा में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि उनके हुनर को निखारने के लिए यह प्रदर्शनी एक लीक का पत्थर साबित होगी। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा बनाए गए घरेलू सामान जैसे मूंज से बने सामानों में पंखे, डलिया, टोकरी, मिट्टी के बर्तन, मास्क, पायदान आदि सामानों का स्टाल लगाकर अपने हुनर को दिखा सकती है। बताया गया कि इस प्रर्दशनी के माध्यम से एक बाजार मिल सकेगा जहां अपने सामानों को बेच कर कुछ धन अर्जित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते है। इस कार्यक्रम में 8 से 12 वर्ष की लड़कियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी अयोजित की जाएगी। महिलाएं लोकगीत जैसे सोहर, कजरी, विवाह गीत, कहानियां, लोकनृत्य, फगुआ आदि में भी प्रतिभाग कर सकती है, जिससे लुप्त हो रही ऐसी विधाओं को पुनर्जीवित किया जा सके।। गोहरी गांव की महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित मूंज के सामान जैसे डलियां, पंखे, आदि को नमूने के तौर पर दिखाया।। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए महिलाओं में काफी उत्साह दिखा। सोरांव विकासखंड के गोहरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं श्री राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी। केन्द्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने होली पर्व से पहले आयोजित इस कार्यशाला में गांव की सभी महिलाओं को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं समस्त वि.वि. परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और वि.वि. द्वारा आयोजित प्रसार कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के लिए गोहरी ग्राम की महिलाओं को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
UNITED
संस्थापक स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी
युनाइटेड भारत
प्रयागराज, बुधवार 16 मार्च 2022- मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8
प्रयागराज से प्रकाशित RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17 वर्ष 22 अंक-74

मुक्त विवि में सिटीजन चार्टर लागू, कार्य परिषद ने दी हरी झंडी

बैठक करती कुलपति

प्रयागराज, १५ मार्च । विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारम्भ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगाई। सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम ७ दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी।

डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इनमें प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी, पाठय सामग्री प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी। कार्यपरिषद की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ गोविंद शेखर, ओम प्रकाश बदलानी, प्रोफेसर पी.पी दुबे, प्रोफेसर पी.के पांडेय, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
वर्ष : 28 | अंक : 134
प्रतापगढ़ | बुधवार, 16 मार्च 2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
R.N.I. No. : 71870/94

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर लागू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कार्यपरिषद की बैठक में आज महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।विश्वविद्यालय में सिटीजन चार्टर सर्विसेज को प्रारंभ करने पर कार्यपरिषद ने अपनी मुहर लगाई। सिटीजन चार्टर लागू होने के बाद कम से कम 7 दिन के अंदर समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर इसके लिए नोडल ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी। जिनमें प्रमुख भूमिका प्रवेश प्रभारी, पाठ्य सामग्री प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक, अध्ययन केंद्र प्रभारी, वित्त अधिकारी तथा यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की अध्यक्ष की रहेगी। कार्यपरिषद की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ गोविंद शेखर, ओम प्रकाश बदलानी, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पी के पांडे,डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार को पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हुई। परीक्षा के पहले दिन प्रमाण पत्र एवं डिप्लोमा के परीक्षार्थियों ने तीन पालियों में परीक्षा दी। परीक्षाएं 25 अप्रैल को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश में सभी परीक्षा केंद्रों पर शुचिता पूर्ण ढंग से परीक्षाएं प्रारंभ हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत सीटिंग प्लान किया गया

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
UNITED
संस्थापक श्री शिवरामदास गुलाटी
युनाइटेड भारत
प्रयागराज, बुधवार 16 मार्च 2022- मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8
प्रयागराज से प्रकाशित RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17 वर्ष 22 अंक-74

ग्रामीण हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी में गोहरी की महिलाएं अव्वल

मुक्त विवि के महिला अध्ययन केंद्र ने चलाया जागरूकता अभियान

प्रयागराज, १५ मार्च । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आगामी माह में आयोजित होने वाले ग्रामीण हस्त शिल्प कला और प्रदर्शनी के लिए गोहरी ग्राम सभा में संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया।

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि उनके हुनर को निखारने के लिए यह प्रदर्शनी एक लीक का पत्थर साबित होगी। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा बनाए गए घरेलू सामान जैसे मूंज से बने सामानों में पंखे, डलिया, टोकरी, मिट्टी के बर्तन, मास्क, पायदान आदि सामानों का स्टाल लगाकर अपने हुनर को दिखा सकती है। उन्होंने बताया कि इस प्रर्दशनी के माध्यम से एक बाजार मिल सकेगा, जहां अपने सामानों को बेच कर कुछ धन अर्जित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

इस कार्यक्रम में ८ से १२ वर्ष की लड़कियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी अयोजित की जाएगी। महिलाएं लोकगीत जैसे सोहर, कजरी, विवाह गीत, कहानियां, लोकनृत्य, फगुआ आदि में भी प्रतिभाग कर सकती हैं। जिससे लुप्त हो रही ऐसी विधाओं को पुनर्जीवित किया जा सके। गोहरी गांव की महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित मूंज के सामान जैसे डलियां, पंखे, आदि को नमूने के तौर पर दिखाया।

सोरांव विकासखंड के गोहरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां दी। केन्द्र की समन्वयक प्रो. रुचि बाजपेई ने होली पर्व से पहले आयोजित इस कार्यशाला में गांव की सभी महिलाओं को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं समस्त विवि परिवार की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

16 मार्च, 2022

मुक्त चिन्तन

16 मार्च, 2022

LMS (Learning Management System) विकसित किये जाने के सन्दर्भ में वर्चुअल बैठक

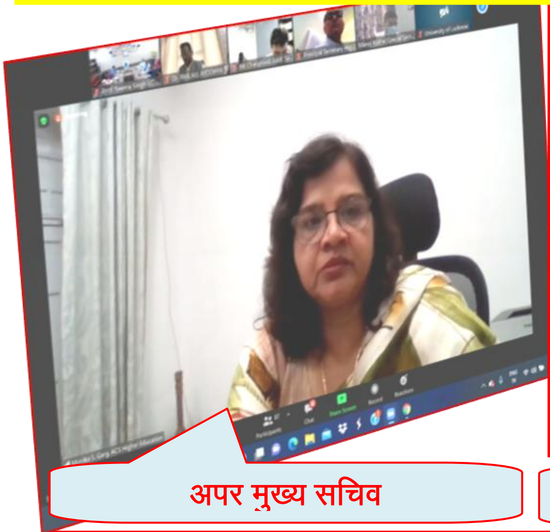

अपर मुख्य सचिव

माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी

दिनांक 16 मार्च, 2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान द्वारा LMS (Learning Management System) विकसित किये जाने के सन्दर्भ में वर्चुअल बैठक (जूम मीटिंग) पूर्वाह्न 11:45 बजे आयोजित की गयी।

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

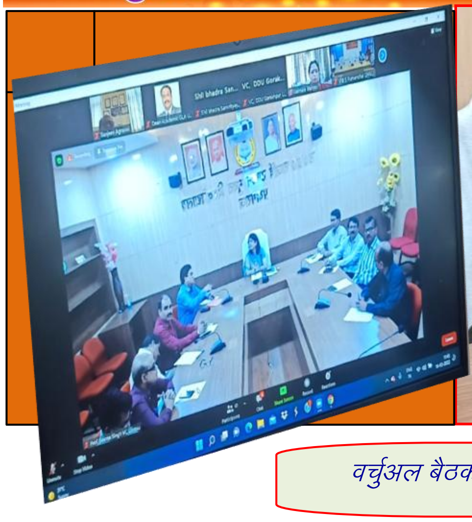

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह एवं कुलसचिव, प्रो0 पी.पी.

उक्त वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, सीका निदेशक, प्रो0 ओमजी गुप्ता, सहायक निदेशक, सीका, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 पी.के. पाडेय, निदेशक मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 सत्पाल तिवारी, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, ओ.एस.डी. डॉ0 दिनेश सिंह एवं कुलसचिव, प्रो0 पी0पी0 दुबे ने प्रतिभाग किया।

वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
21 मार्च, 2022

विशिष्ट शिक्षा कार्यक्रमों के विभिन्न बिन्दुओं एवं मुद्दों के सन्दर्भ में बैठक

बैठक में उपस्थित श्री विनीत सिंघल जी, सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली, मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं सहायक परीक्षा नियंत्रक, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली (RCI) , श्री संदीप ठाकूर जी

श्री विनीत सिंघल जी, सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली (RCI) एवं माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी की दिनांक 21 मार्च, 2022 को प्रातः 10:30 बजे नई दिल्ली में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में RCI से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विशिष्ट शिक्षा कार्यक्रमों के विभिन्न बिन्दुओं एवं मुद्दों के सन्दर्भ में सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद से माननीया कुलपति जी ने विचार विमर्श किया। माननीया कुलपति जी ने विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में नये कार्यक्रमों को प्रारम्भ किये जाने के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के निर्णय से श्री सिंघल को अवगत कराया। प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय को RCI द्वारा मिल रहे सहयोग के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में सहायक परीक्षा नियंत्रक, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली (RCI), श्री संदीप ठाकूर जी भी उपस्थित रहे।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

22 मार्च, 2022

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार 15 मार्च 2022 से 130 परीक्षा केंद्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हो गयी। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने आज दिनांक 22 मार्च, 2022 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। माननीया कुलपति जी ने परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
23 मार्च, 2022

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया

दिनांक 23 मार्च, 2022 को राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र हिन्दू कालेज, बरेली में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा टेबलेट वितरण किया गया।

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
24 मार्च, 2022

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसंबर 2021 की परीक्षाएं मंगलवार 15 मार्च 2022 से 130 परीक्षा केंद्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हो गयी। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने आज दिनांक 24 मार्च, 2022 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। माननीया कुलपति जी ने भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त प्रकाश एवं जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुई। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। माननीया कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

fo'ofo|ky; ds ;equk ifjlj fLFkr ijh{kk dsUnz dk vkSpd fujh{k.k djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatftp @gmail.com
हर बात
फतेहपुर और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 11 अंक : 62 फतेहपुर, गुरूवार, 24 मार्च, 2022, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

भारतीय ज्ञान परंपरा का क्षेत्र अति व्यापक-प्रोफेसर सिंह

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए हमें बौद्धिक संपदा का उपयोग करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परंपरा का क्षेत्र अति व्यापक है। इसलिए सकारात्मक दिशा में प्रयास करने से सामाजिक सद्भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान किया है। हमें प्रयास करना होगा कि ज्ञान की उस विराट राशि से

भारतीय समाज आलोकित होता रहे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रवाह कालांतर में इतना देदीप्यमान रहा कि हम प्राचीनतम योग पद्धति में वैश्विक नेतृत्व की तरफ आगे बढ़े। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए मानव मात्र को प्रेरित करें तथा ज्ञानपरक शोध के माध्यम से कल्याणकारी विकास को प्रोत्साहित कर सकें। हमें प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान को आधुनिकतम रूप में प्रस्तुत करने का भी सतत प्रयास करना होगा।

इस अवसर पर संगोष्ठी की रूपरेखा प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने किया।इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर रुचि बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विचार व्यक्त किए।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
वर्ष : 11 अंक : 163 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1.00
गुरूवार, 24 मार्च, 2022

सकारात्मकता से ही होगी सामाजिक सद्भावना - कुलपति

भारतीय ज्ञान परंपरा का क्षेत्र अति व्यापक-प्रोफेसर सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए हमें बौद्धिक संपदा का उपयोग करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परंपरा का क्षेत्र अति व्यापक है। इसलिए सकारात्मक दिशा में प्रयास करने से सामाजिक सद्भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान किया है। हमें प्रयास करना होगा कि ज्ञान की उस विराट राशि से भारतीय समाज आलोकित होता रहे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए मानव मात्र को प्रेरित करें तथा ज्ञानपरक शोध के माध्यम से कल्याणकारी विकास को प्रोत्साहित कर सकें। इस अवसर पर संगोष्ठी की रूपरेखा प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर रुचि बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विचार व्यक्त किए।

अमृत कलश टाइम्स

सकारात्मकता से ही होगी सामाजिक सद्भावनाः कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में बुधवार को भारतीय ज्ञान परम्परा पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए हमें बौद्धिक सम्पदा का उपयोग करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परम्परा का क्षेत्र अति व्यापक है। इसलिए सकारात्मक दिशा में प्रयास करने से सामाजिक सद्भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान किया है। हमें प्रयास करना होगा कि ज्ञान की उस विराट राशि से भारतीय समाज आलोकित होता रहे। कुलपति ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा का प्रवाह कालांतर में इतना देदीप्यमान रहा कि हम प्राचीनतम योग पद्धति में वैश्विक नेतृत्व की तरफ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए मानव मात्र को प्रेरित करें तथा ज्ञानपरक शोध के माध्यम से कल्याणकारी विकास को प्रोत्साहित कर सकें। हमें प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान को आधुनिकतम रूप में प्रस्तुत करने का भी सतत प्रयास करना होगा।

संगोष्ठी की रूपरेखा प्रो.विनोद कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक प्रो.सत्यपाल तिवारी ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो.ओमजी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रो. पी.पी दुबे, प्रो.आशुतोष गुप्ता, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, प्रो.रुचि बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार

सकारात्मकता से ही होगी सामाजिक सद्भावना : कुलपति प्रो. सीमा सिंह

भारतीय ज्ञान परम्परा का क्षेत्र अति व्यापक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में बुधवार को भारतीय ज्ञान परम्परा पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए हमें बौद्धिक सम्पदा का उपयोग करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परम्परा का क्षेत्र अति व्यापक है। इसलिए सकारात्मक दिशा में प्रयास करने से सामाजिक सद्भावना विकसित होगी।

उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान किया है। हमें प्रयास करना होगा कि ज्ञान की उस विराट राशि से भारतीय समाज आलोकित होता रहे। कुलपति ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा का प्रवाह कालांतर में इतना देदीप्यमान रहा कि हम प्राचीनतम योग पद्धति में वैश्विक नेतृत्व की तरफ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए मानव मात्र को प्रेरित करें तथा ज्ञानपरक शोध के माध्यम से कल्याणकारी विकास को प्रोत्साहित कर सकें। हमें प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान को आधुनिकतम रूप में प्रस्तुत करने का भी सतत प्रयास करना होगा।

प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि संगोष्ठी की रूपरेखा प्रो.विनोद कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक प्रो.सत्यपाल तिवारी ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो.ओमजी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रो. पी.पी दुबे, प्रो.आशुतोष गुप्ता, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, प्रो.रुचि बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, गुरूवार 24 मार्च 2022

सकारात्मकता से ही होगी सामाजिक सद्भावनाः प्रो. सीमा सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए हमें बौद्धिक संपदा का उपयोग करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परंपरा का क्षेत्र अति व्यापक है। इसलिए सकारात्मक दिशा में प्रयास करने से सामाजिक सद्भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान किया है। हमें प्रयास करना होगा कि ज्ञान की उस विराट राशि से भारतीय समाज आलोकित होता रहे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रवाह कालांतर में इतना देदीप्यमान रहा कि हम प्राचीनतम योग पद्धति में वैश्विक नेतृत्व की तरफ आगे बढ़े। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए

मानव मात्र को प्रेरित करें तथा ज्ञानपरक शोध के माध्यम से कल्याणकारी विकास को प्रोत्साहित कर सकें। हमें प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान को आधुनिकतम रूप में प्रस्तुत करने का भी सतत प्रयास करना होगा। इस अवसर पर संगोष्ठी की रूपरेखा प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर रुचि बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विचार व्यक्त किए।

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com
प्रयागराज गुरुवार 24 मार्च 2022

सकारात्मकता से ही होगी सामाजिक सद्भावना- कुलपति

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में बुधवार को भारतीय ज्ञान परम्परा पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए हमें बौद्धिक सम्पदा का उपयोग करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परम्परा का क्षेत्र अति व्यापक है। इसलिए सकारात्मक दिशा में प्रयास करने से सामाजिक सद्भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान किया है। हमें प्रयास करना होगा कि ज्ञान की उस विराट राशि से भारतीय समाज आलोकित होता रहे। कुलपति ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा का प्रवाह कालांतर में इतना देदीप्यमान रहा कि हम प्राचीनतम योग पद्धति में वैश्विक नेतृत्व की तरफ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए मानव मात्र को प्रेरित करें तथा ज्ञानपरक शोध के माध्यम से कल्याणकारी विकास को प्रोत्साहित कर सकें। हमें प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान को आधुनिकतम रूप में प्रस्तुत करने का भी सतत प्रयास करना होगा।

रूपरेखा प्रो.विनोद कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक प्रो.सत्यपाल तिवारी ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो.ओमजी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रो. पी.पी दुबे, प्रो.आशुतोष गुप्ता, प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल, प्रो.रुचि बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

purvanchalswar.com 8400976542, 9415860883 मूल्य: रू. 2 संपादक- राहुल
दैनिक
पूर्वांचल स्वर
purvanchalswardainik@gmail.com गुरूवार, 24 मार्च, 2022 वर्ष: 10 अंक: 79 पृष्ठ: 08 बलिया से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सकारात्मकता से ही होगी सामाजिक सद्भावना - कुलपति

हनुमान प्रसाद शुक्ल
मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में बुधवार को भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए हमें बौद्धिक संपदा का उपयोग करना चाहिए। भारतीय ज्ञान परंपरा का क्षेत्र अति व्यापक है। इसलिए सकारात्मक दिशा में प्रयास करने से सामाजिक सद्भावना विकसित होगी। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश के विकास के लिए अपना अमूल्य योगदान किया है। हमें प्रयास करना होगा कि ज्ञान की उस विराट राशि से भारतीय समाज आलोकित होता रहे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रवाह कालांतर में इतना देदीप्यमान रहा कि हम प्राचीनतम योग पद्धति में वैश्विक नेतृत्व की तरफ आगे बढ़े। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमें मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए मानव मात्र को प्रेरित करें तथा ज्ञानपरक शोध के माध्यम से कल्याणकारी विकास को प्रोत्साहित कर सकें। हमें प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान को आधुनिकतम रूप में प्रस्तुत करने का भी सतत प्रयास करना होगा। इस अवसर पर संगोष्ठी की रूपरेखा प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ल, प्रोफेसर रुचि बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विचार व्यक्त किए।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

30 मार्च, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित पत्र आदान–प्रदान करते हुए हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ0 उदय प्रताप सिंह जी, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे एवं सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान–प्रदान किया जाएगा।

मा0 अतिथियों का स्वागत

हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष
डॉ0 उदय प्रताप सिंह जी को अंगवस्त्र एवं
स्मृति चिन्ह भेंट कर उउनका सम्मान करती
हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी
एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के
सदस्यगण

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज के बीच परस्पर सहमति पत्र (एम0ओ0यू0) पर हस्ताक्षर करते हुए हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ0 उदय प्रताप सिंह एवं कुलसचिव प्रो0 पी. पी. दुबे तथा उपस्थित सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रो0 पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ0 उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत
संस्थापक स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी
प्रयागराज, बृहस्पतिवार 31 मार्च 2022 - मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8
प्रयागराज से प्रकाशित RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17 वर्ष 22 अंक-88

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

प्रयागराज, ३० मार्च । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर सम्बंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान–प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

हिंदी दैनिक लखनऊ, गुरुवार 31 मार्च 2022 नया भारत की नई उड़ान
वर्ष : 07 अंक :353 हिंदी दैनिक पृष्ठ : 08 मूल्य :2.00 प्रातः संस्करण लखनऊ
सदमार्ग साक्षी
RNI NOcUPHIN/2015/61730

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

●सदमार्ग साक्षी ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर सम्बंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

समय से पहले समय पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, गुरूवार 31 मार्च, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा।इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

purvanchalswar.com 8400976542, 9415860883 मूल्य: रू. 2 संपादक- राहुल
दैनिक
पूर्वांचल स्वर
purvanchalswardainik@gmail.com गुरूवार, 31 मार्च, 2022 वर्ष: 10 अंक: 86 पृष्ठ: 08 बलिया से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
03 बलिया, उत्तर प्रदेश, गुरुवार, 31 मार्च 2022 प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

हनुमान प्रसाद शुक्ल
मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

वर्ष : 28 | अंक : 148
प्रतापगढ़ | गुरुवार , 31 मार्च-2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक **लोकमित्र** सच्चाई की जंग

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवान — प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा।इसके साथ ही संयुक अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा।विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

प्रयाग प्रभात

वर्ष : 11 अंक : 301 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, गुरुवार, 31 मार्च, 2022 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

प्रयागराज ।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान–प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

RNI No. - UPHIN/2015/61843
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 08
अंक : 32
पृष्ठ : 4
मूल्य : 2.00
गुरुवार, 31 मार्च, 2022

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक **प्रातःकाल एक्सप्रेस** सच से रूबरू

3 प्रयागराज, गुरुवार, 31 मार्च, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा।

इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान–प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष –07–अंक– 73, प्रयागराज गुरुवार 31 मार्च, 2022, पृष्ठ –8 मूल्य रू0 1.00 विक्रम संवत 2076 प्रात संस्करण email: dainikkarmath@gm

दैनिक कर्मठ हिन्दी दैनिक प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

कर्मठ समाचार/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा।

इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलनए सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान–प्रदान किया जाएगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है।

विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com

प्रयागराज गुरुवार 31 मार्च 2022

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

(अनुराग शुक्ला) प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

● वर्ष : 15
● अंक : 53
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● गुरुवार, 31 मार्च 2022
● पृष्ठ : 12
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

शैक्षिक, साहित्यिक, उत्कृष्ट को बढ़ावा देने के लिए ढांचा तैयार करना: कुलपति सीमा सिंह

▸▸ मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

▸▸ शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफ़ेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

---

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

लखनऊ
गुरुवार • 31 मार्च • 2022

मुक्त विवि-हिंदुस्तानी एकेडमी मिलकर करेंगे काम

प्रयागराज (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी से सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्ष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. सीमा सिंह, कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डा. उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह व शिक्षक शामिल रहे।

एक-दूसरे को दस्तावेज सौंपते अध्यक्ष-कुलपति। फोटो : एसएनबी

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा

परख सब की

जनसंदेश टाइम्स

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

कार्यक्रम

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए.इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा।

इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा।विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है।

विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com

हरबात

फतेहपुर और प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 11 अंक : 69 फतेहपुर, गुरूवार, 31 मार्च, 2022, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा।

इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

अमृत कलश टाइम्स

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा।

इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान–प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

स्थापित — 1948

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

सत्य संवाद सेवा
बहुभाषी न्यूज एजेंसी

30 Mar 2022, 19:54 HRS IST

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

30 Mar 2022 18:13:23

-शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

प्रयागराज, 30 मार्च (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंधों को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रो.सीमा सिंह, कुलसचिव प्रो.पी पी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप सिंह, सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, गुरूवार 31 मार्च 2022

मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के बीच हुआ एमओयू

शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज ने बुधवार को परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके अंतर्गत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी तथा संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे तथा उनका निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं में शैक्षिक एवं साहित्यिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक ढांचा तैयार करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए समारोह में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर पीपी दुबे, हिन्दुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

प्रयागराज, गुरुवार
31 मार्च, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

हीली के शतक से आस्ट्रेलिया फाइनल में 12
बिम्सटेक को सुरक्षा कवच देगा भारत, चार्टर मंजूर 13

हिंदुस्तानी एकेडमी के साथ साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा मुवि

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अब हिंदुस्तानी एकेडमी के साथ मिलकर शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। इसके लिए दोनों संस्थानों के बीच बुधवार को मेमोरंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) करार हुआ।

इस एमओयू के तहत अब विश्वविद्यालय तथा एकेडमी के पास उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञता की साझेदारी द्वारा सांस्कृतिक साहित्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए परस्पर संबंध को सुदृढ़ और सशक्त किया जाएगा। साथ ही संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला आदि में भागीदारी की जाएगी। अब दोनों संस्थान संयुक्त सम्मेलन, सेमिनार व कार्यशाला होंगे। विशेष शैक्षिक कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे व निष्पादन किया जाएगा। संयुक्त परामर्श सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी। साथ ही दोनों पक्षों की पूर्व सहमति से संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाएगा तथा शैक्षिक सामग्री का भी आदान-प्रदान किया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि एमओयू पर सहमति के बाद हस्ताक्षर हुए।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर करते एकेडमी के अध्यक्ष डाक्टर उदय प्रताप सिंह ● साभार : मीडिया सेल

इस दौरान कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे, वित्त अधिकारी अजय सिंह आदि मौजूद रहे।